Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 107 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अपने जीवन में घुसी विदेशी सभ्यता को निकाल कर अपनी देशीय सभ्यता को आत्मसात करें।
आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

कैबिनेट ने जुलाई 2024 से दिसंबर 2028 तक निशुल्क फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति जारी रखने को मंजूरी दी

प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप पोषण सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम

दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं आदि सहित सरकार की सभी योजनाओं के तहत पोषण युक्त (फोर्टिफाइड) चावल की सार्वभौमिक आपूर्ति को इसके वर्तमान स्वरूप में जुलाई 2024 से दिसंबर 2028 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है।

चावल को पोषण युक्त करने की पहल पीएमजीकेएवाई (खाद्य सब्सिडी) के हिस्से के रूप में भारत सरकार द्वारा 100 प्रतिशत वित्त पोषण के साथ केंद्रीय क्षेत्र की एक पहल के रूप में जारी रहेगी। इसके कार्यान्वयन के लिए एक एकीकृत संस्थागत तंत्र प्रदान किया जाएगा। देश में पोषण सुरक्षा की आवश्यकता पर 75वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री के संबोधन के अनुरूप, देश में एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टीपीडीएस), अन्य कल्याणकारी योजनाओं, एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस), सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में पीएम पोषण (पूर्ववर्ती एमडीएम) के माध्यम से पोषण युक्त चावल की आपूर्ति पहल शुरू की गई। अप्रैल 2022 में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने मार्च 2024 तक चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में पोषण युक्त चावल को उपलब्ध कराने की पहल को लागू करने का निर्णय लिया। अब तक सभी तीन चरण सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं और सरकार की सभी योजनाओं में पोषण युक्त चावल की आपूर्ति के लिए सार्वभौमिक कवरेज का लक्ष्य मार्च 2024 तक हासिल कर लिया गया है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के 2019 और 2021 के बीच किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में एनीमिया अभी भी एक व्यापक स्वास्थ्य समस्या बनी हुई है, जो विभिन्न आयु समूहों और आय स्तरों के बच्चों, महिलाओं तथा पुरुषों को प्रभावित करती है। आयरन की कमी के अलावा, विटामिन बी12 और फोलिक एसिड जैसे अन्य विटामिन और खनिज की कमी देश की आबादी के समग्र स्वास्थ्य और उत्पादकता को प्रभावित करती है।

खाद्य पदार्थों को पोषण युक्त बनाने की प्रक्रिया का उपयोग दुनिया भर में लोगों में एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी उपाय के रूप में किया गया है। भारतीय संदर्भ में सूक्ष्म पोषक तत्वों की आपूर्ति के लिए चावल एक आदर्श साधन है क्योंकि देश की 65 प्रतिशत आबादी चावल का उपयोग मुख्य भोजन के रूप में करती है। चावल फोर्टिफिकेशन में एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार नियमित चावल (कस्टम मिल्ड राइस) में सूक्ष्म पोषक तत्वों (आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी 12) से भरपूर पोषण युक्त हिस्से (राइस कर्नेल) को शामिल किया जाता है।

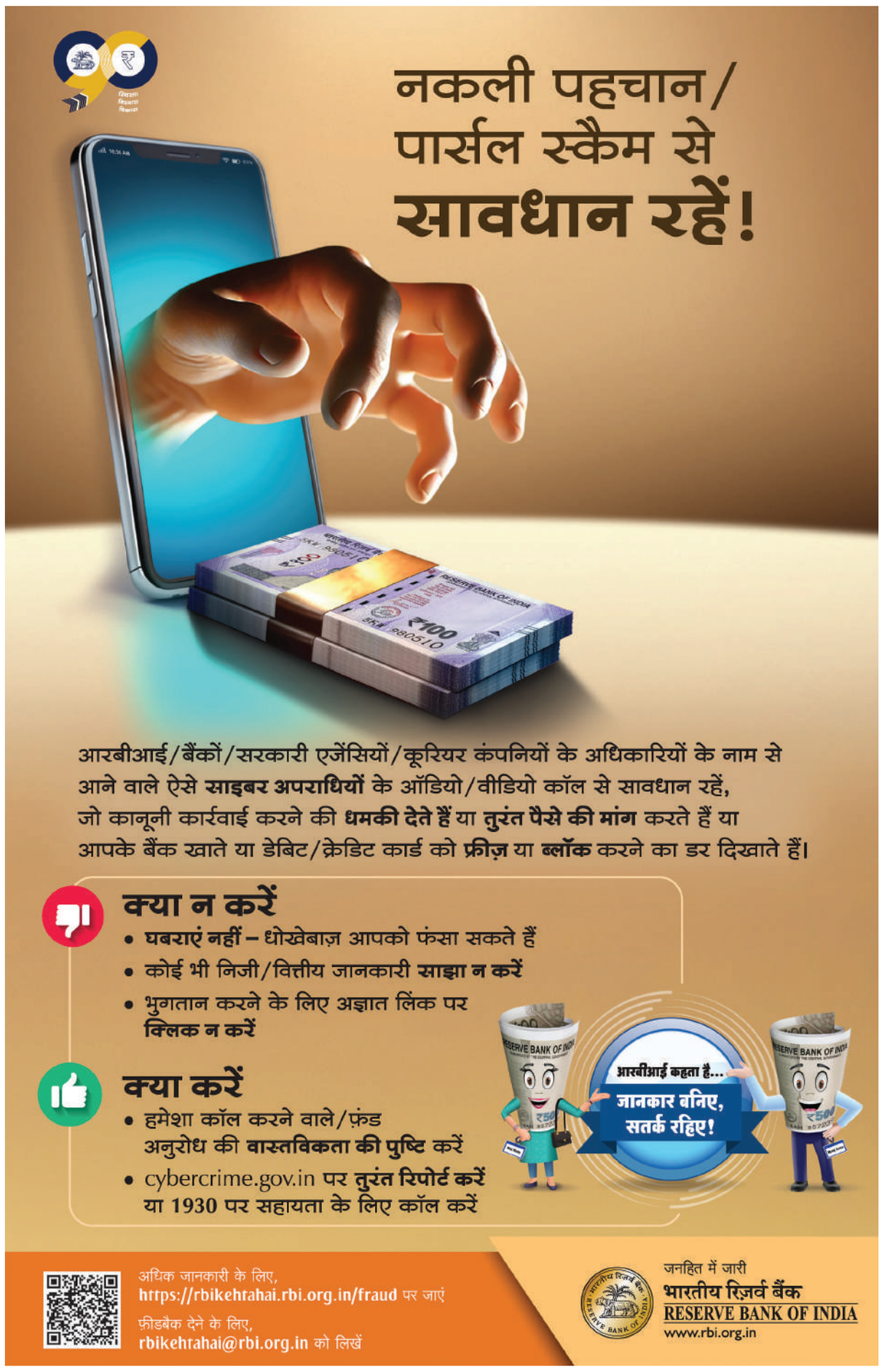

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी विभाग में 102 अभियंताओं की भर्ती को वित्त से मंजूरी

सीएम विष्णुदेव साय के नेतृत्व में युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने खुले अवसरों के द्वार

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग में सब इंजीनियरों के 102 पदों पर भर्ती को वित्त विभाग ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसमें 86 सिविल और 16 विद्युत-यांत्रिकी के उप अभियंता के पद शामिल हैं। इससे पहले लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में 128 अभियंताओं के पद निकाले गए थे।

मुख्यमंत्री ने तेजी से विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती के निर्देश दिए हैं और रिक्त पदों पर भर्ती की त्वरित रूप से स्वीकृति दी जा रही है। मुख्यमंत्री की विशेष पहल से अब शासकीय सेवा के 6 हजार से अधिक पदों में नियुक्तियों की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। छत्तीसगढ़ में युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों में अवसर लगातार खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में लगातार पहल की जा रही है। अब तक 8 से अधिक विभागों में विभिन्न पदों पर भर्ती की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, गृह विभाग, विधि विभाग, आदिम जाति कल्याण, वन एवं पर्यावरण विभाग में भर्ती प्रक्रिया चल रही है। भर्ती प्रक्रिया से प्रदेश में बड़े पैमाने पर चल रही अधोसंरचना परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री साय ने नायब सिंह सैनी को दी जीत की बधाई : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से दूरभाष पर चर्चा कर विधानसभा के चुनाव में शानदार जीत के लिए छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में हरियाणा राज्य अग्रणी भूमिका निभाएगा।

बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 16 जिलों के 4 लाख लोग प्रभावित

पटना (आरएनएस)। बिहार में कोसी और गंडक सहित सभी प्रमुख नदियां उफान पर हैं। हालांकि, राहत वाली बात है कि वीरपुर के कोसी बैराज, वाल्मीकिनगर के गंडक बैराज पर जलस्राव में कमी आयी है। प्रदेश के 16 जिलों के 31 प्रखंड के चार लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

जल संसाधन विभाग के मुताबिक, वीरपुर बैराज में कोसी का जलस्राव सोमवार को सुबह छह बजे 2,65,530 क्यूसेक था जबकि 10 बजे यह घटकर 2,54,385 क्यूसेक हो गया है। इसी तरह वाल्मीकिनगर बैराज में सुबह 10 बजे गंडक का जलस्राव भी 1,55,600 लाख क्यूसेक है। इस बीच, प्रदेश की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, गंडक, कोसी, बागमती, महानंदा एवं अन्य नदियों के जलस्तर में हुई वृद्धि के कारण 16 जिलों के 31 प्रखंडों में 152 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत लगभग 4 लाख से अधिक की आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है।

हिंदू समाज में आग लगाए रखना चाहती है कांग्रेस, हर चुनाव में अपनाती है यही फार्मूला : पीएम नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र में 7,600 करोड़ रुपये के विकास परियोजनाओं की रखी आधारशिला

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि मुसलमानों की जाति की बात आते ही कांग्रेस के मुंह पर ताला लग जाता है लेकिन हिंदू समाज की बात आते ही वह चर्चा जाति से ही शुरू करती है क्योंकि वह जानती है कि हिंदू जितना बंटेगा, उतना ही उसका फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस किसी भी तरीके से हिंदू समाज में आग लगाए रखना चाहती है और भारत में जहां भी चुनाव होते हैं, वह इसी फार्मूले को लागू करती है। महाराष्ट्र में 7,600 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं की वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आधारशिला रखने के बाद अपने संबोधन में मोदी ने विश्वास जताया कि 'समाज को तोड़ने' की इस कोशिश को राज्य की जनता नाकाम करेगी।

उन्होंने इस सरकारी कार्यक्रम में महाराष्ट्र के लोगों से देश के विकास को सर्वोपरि रखते हुए और एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके गठबंधन 'महायुति' के पक्ष में मतदान करने की अपील की। हरियाणा के चुनाव परिणामों का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इसने बता दिया है कि आज देश का मिजाज क्या है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस का पूरा इकोसिस्टम, अर्बन नक्सल का पूरा गिरोह जनता को गुमराह करने में जुटा था लेकिन उसकी सारी साजिशें ध्वस्त हो गईं। उन्होंने दलितों के बीच झूठ फैलाने की कोशिश की लेकिन दलित समाज ने उनके खतरनाक इरादों को भांप लिया। दलितों को एहसास हो गया कि कांग्रेस उनका आरक्षण छीन कर अपने वोट बैंक को बांटना चाहती है।''

उन्होंने कहा कि हरियाणा के दलित वर्ग ने भाजपा का रिकॉर्ड समर्थन किया तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) ने भी भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि किसानों और नौजवानों को 'भड़काने' में भी कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन हरियाणा की जनता ने दिखा दिया कि वह अब कांग्रेस और अर्बन नक्सल के नफरत के षड्यंत्र का शिकार नहीं होने वाली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह से सांप्रदायिक और जातिवाद का चुनाव लड़ती है। हिंदू समाज को तोड़कर उसे अपनी जीत का फॉर्मूला बनाना, यही कांग्रेस की राजनीति का आधार है। कांग्रेस भारत के सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय की परंपरा का दमन कर रही है, सनातन परंपरा का दमन कर रही है। कांग्रेस की नीति है, हिंदुओं की एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाओ। कांग्रेस जानती है कि जितना हिंदू बंटेगा, उतना ही उसका फायदा होगा। कांग्रेस किसी भी तरीके से हिंदू समाज में आग लगाए रखना चाहती है, ताकि वो उस पर राजनीतिक रोटियां सेंकती रहे।

प्रिय शेयर धारक,

मुझे आपकी कंपनी, एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में आपको संबोधित करते हुए खुशी हो रही है। हमने अपनी यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर प्राप्त कर लिया है। एनएसएल भारत के औद्योगिक कौशल का एक प्रमाण है, जो देश की इस्पात उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इस्पात मंत्रालय की एक नीतिगत पहल का प्रतिनिधित्व करता है। 12 अगस्त, 2023 को कंपनी ने ब्लास्ट फर्नेस का अपना पहला ब्लो–इन किया और तीन दिनों के भीतर, 15 अगस्त, 2023 को हॉट मेटल का उत्पादन किया। एनएमडीसी स्टील लिमिटेड ने हॉट मेटल के उत्पादन के केवल 9 दिन बाद ही 24 अगस्त, 2023 को अपने अंतिम उत्पाद– एचआर कॉइल का उत्पादन किया। आगे की विकास यात्रा में, एनएसएल ने 226 दिनों के रिकॉर्ड समय में कुल मिलाकर एक मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन की उपलब्धि हासिल की।

उस महत्वपूर्ण घटना को अब एक वर्ष हो गया है और मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि 21 जुलाई, 2024 तक एनएसएल ने अपने ब्लास्ट फर्नेस से 1.5 मिलियटन टन हॉट मेटल का उत्पादन किया है। संयंत्र ने 11 अगस्त, 2024 को 1 मिलियन टन तरल इस्पात उत्पादन को पार कर लिया और 20 अगस्त, 2024 को एनएसएल ने कमीशनिंग के एक वर्ष के भीतर 1 मिलियटन टन एचआर कॉइल उत्पादन की उपलब्धि हासिल कर ली है।

संयंत्र ने 15 अगस्त, 2024 को 40 हीट, 6967 टन तरल इस्पात और 6519 टन एचआर कॉइल का उत्पादन दर्ज किया, जो एनएसएल में एक दिन में अबतक का सबसे अधिक उत्पादन है।

पिछले एक साल में, एनएमडीसी स्टील लिमिटेड ने उत्पादन बढ़ाने और संचालन को स्थिर करने में लगातार प्रगति की है। इस्पात संयंत्र की डिजाइन में पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और संसाधन उपयोग को अभीष्टतम करने के लिए निरंतर कास्टिंग, पल्वराइज्ड कोल इंजेक्शन, कोक ड्राई क्वेंचिंग और टॉप रिकवरी टर्बाइन जैसी ऊर्जा–कुशल तकनीकों को एकीकृत किया गया है। सतत विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता शून्य तरल निर्वहन प्रणाली, पुनर्चक्रण पहल और अपशिष्ट ऊष्मा पुनर्प्राप्ति विकल्पों को अपनाने में प्रतिबिम्बित होती है। अपनी प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने, दक्षता बढ़ाने और उच्च सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करके, हमने उत्पादन के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं, नए मानक स्थापित किए हैं और अपने प्रारंभिक लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले प्राप्त किया है।

वित्तीय एवं भौतिक प्रदर्शन

वित्तीय वर्ष 2023–24 में एनएसएल ने भौतिक उत्पादन के मामले में प्रभावशाली उपलब्धियां प्राप्त कीं। यह देखते हुए कि एनएसएल ने 31 अगस्त, 2023 को वाणिज्यिक परिचालन प्रारम्भ किया था, कंपनी ने 7 महीनों की अवधि के भीतर 4.94 लाख टन हॉट रोल्ड कॉइल का उत्पादन हासिल किया। हॉट रोल्ड कॉइल्स की बिक्री प्रभावशाली रूप से 3.52 लाख टन दर्ज की गई, जिससे कंपनी को कुल 3,049 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कंपनी को रु. 2,201 करोड़ रुपये की हानि हुई और कंपनी ने रु. 1,226 करोड़ का पूंजीगत व्यय किया।

एनएसएल ने अगस्त 2024 में एक महीने में सबसे अधिक उत्पादन दर्ज किया जिसमें हॉट मेटल का उत्पादन –1.70 लाख टन, तरल इस्पात–1.30 लाख टन और एचआर कॉइल–1.25 लाख टन रहा । हमने 24 मई, 2024 को पी. सी. आई. का संचालन सफलतापूर्वक शुरू किया है और पहली बार एलपीजी ग्रेड स्टील शीट का उत्पादन किया है, जो विशेष इस्पात उत्पादों के बाजार में हमारे प्रवेश की शुरुवात है। हमने ओईएम से ऑर्डर लेना शुरू कर दिया है और विशेष इस्पात के अनुकूलित ग्रेड विकसित कर रहे हैं, जिसमें उच्च शक्ति, कम अलॉय धातु वाला इस्पात शामिल है, जिसका हमारे ग्राहकों द्वारा स्वागत किया गया है।

एनएसएल ब्रेक–इवेन की दहलीज पर है। वर्तमान में, हम लगभग 1.25 लाख टन एचआर कॉइल का उत्पादन कर रहे हैं, जो मासिक आधार पर हमारे ब्रेक–ईवन स्तर से थोड़ा कम है। आगे हम लगातार अपने उत्पादन को बढाते हुए 2.1 लाख टन हॉट मेटल और 1.50 लाख टन एचआर कॉइल का मासिक आधार पर उत्पादन करने की योजना बना रहे हैं। हमें विश्वास है कि हम वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में इस लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे।

एक मजबूत नींव का निर्माण

जब हम पिछले वर्ष पर विचार करते हैं, यह स्पष्ट है कि एक इस्पात संयंत्र को कमीशन करना और संचालित करना चुनौतीपूर्ण और लाभप्रद दोनों ही है। प्राप्त अनुभवों और सबक ने हमारी निरंतर सफलता के लिए एक मजबूत नींव स्थापित की है। अब हमारा ध्यान इन अंतर्दृष्टि का लाभ उठाने पर होगा ताकि भविष्य में और सुधार किए जा सकें, परिचालन दक्षता बढ़ाई जा सके और उच्च सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों को बनाए रखा जा सके।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड कॉर्पोरेट गवर्नेंस के सर्वोच्च मानकों का पालन करता है, जिसका उद्देश्य शेयरधारकों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, लेनदारों, भारत सरकार, राज्य सरकारों, सरकारी एजेंसियों/विभागों और बड़े पैमाने पर समाज सहित सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्यों का सृजन करना है। कंपनी अपने व्यवसाय को नैतिकता और जिम्मेदारी से संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो जवाबदेही, पारदर्शिता, निष्पक्षता और प्रभावी हितधारक प्रबंधन के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित है।

भविष्य की ओर- सतत विकास की राह पर

जैसे–जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हम परिचालन उत्कृष्टता, रणनीतिक विकास और स्थिरता पर जोर देते रहेंगे। प्रबंधन निरंतर सुधार, नवाचार और सभी हितधारकों के लिए मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित करते हुए एनएसएल के लिए भविष्य की योजना तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम पर्यावरण और अपने सेवा क्षेत्र के समुदायों के प्रति जिम्मेवार रहते हुए दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। अंत में, मैं अपनी समर्पित टीम, मेकॉन और प्रौद्योगिकी भागीदारों, शेयरधारकों, बैंकरों, ऋणदाताओं, आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों को एनएमडीसी स्टील लिमिटेड में उनके निरंतर समर्थन और विश्वास के लिए अपना आभार व्यक्त करना चाहूंगा। मैं इस्पात मंत्रालय, वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और भारत सरकार के अन्य विभागों और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार से प्राप्त सहायता, सहयोग और मार्गदर्शन के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं।

इस रोमांचक यात्रा पर आगे बढते हुए, मुझे विश्वास है कि कंपनी निरंतर मजबूत होगी और नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

जय हिंद,

अमिताभ मुखर्जी
सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार)
एनएमडीसी स्टील लिमिटेड

27 सितंबर, 2024 को आयोजित एनएसएल की 9वीं एजीएम में सीएमडी के भाषण के अंश।

एन एम डी सी स्टील
NMDC STEEL
रजि. कार्यालय: खनिज भवन 10–3–311/ए, कैसल हिल्स, मासाब टैंक, हैदराबाद–500028, भारत. www.nmdc.co.in
/nmdclimited

कलेक्टर-एसपी ने तेलासीपुरी धाम का दौरा कर गुरुदर्शन मेले की तैयारी का लिया जायजा

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक सोनी और एसपी विजय अग्रवाल ने आज पलारी विकासखंड के ग्राम तेलासी पहुंचकर गुरुदर्शन मेले के लिए की जा रही प्रशासनिक तैयारियों का जायजा लिया।बाबा गुरू घासीदास की कर्मभूमि तेलासीबाड़ा में आगामी 12 अक्टूबर को गुरुदर्शन मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसमे हजारों की संख्या में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों से श्रद्धालु यहां जुटते हैं। कलेक्टर-एसपी ने विभिन्न स्थलों को दौरा करके बारीकी से व्यवस्था से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श किया।प्रमुख रूप से उन्होंने मंदिर परिसर, बाड़ा, जैतखाम, पार्किंग एरिया, सुरक्षा, लाइटिंग, हाईमास्क, पेयजल की व्यवस्था आदि का स्थल निरीक्षण किया और

पुराने अनुभवों के आधार पर इससे और अच्छी व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विभिन्न विषयों पर मेला प्रबंधन से जुड़े लोगों से भी विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए हेलीपैड तैयार करने कहा गया है। सफाई की व्यवस्था को पहले बेहतर करने के निर्देश सीएमओं पलारी एवं जनपद सीईओ पलारी को दिए है इस अवसर पर मेले समिति से जुड़े सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि गण, जिला पंचायत सीईओ दिव्या अग्रवाल, एसडीएम सीमा ठाकुर, एसडीपीओ श्री कौशिक, तहसीलदार कंवर, सहित तैयारी से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित थे।

जिला मुख्यालय बलौदाबाजार से लगभग 40 किमी दूर भैसा से आरंग मार्ग में ग्राम तेलासी स्थित है। जहां पर बाबा गुरू घासीदास की कर्मभूमि एवं सतनामी पंथ के संत अमर दास की तपोभूमि जिसे स्थानीय लोग तेलासी बाड़ा भी कहते हैं। सतनाम पंथ के लोगों के लिए यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित जानकारी के लिए हेल्पलाईन नंबर 07727-299800 जारी

बलौदाबाजार। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश में आमजनों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से संबधित किसी प्रकार के जानकारी एवं अन्य किसी भी प्रकार धोखाधडी से बचाने हेतु जिला पंचायत द्वारा हेल्प लाईन नंबर 07727-299800 जारी किया गया है। जिसके माध्यम से हितग्राही के नाम, किश्त के संबंध में जानकारी, आवास निर्माण के संबंध में जानकारी, आवास के संबंध में किसी प्रकार की सहायता/सुझाव प्राप्त कर सकते है।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 490 दिनांक 09.10.2024
वार्ड का नाम- शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड
वार्ड क्र. 26 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **26** मांग **पंजी क्र. 192 युआईडी 25148** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **हरिसिंह ठाकुर / रघुनाथ ठाकुर** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **संतोष सिंह बनाफर/ स्व. हरी सिंह** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **08-11-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 486 दिनांक 09.10.2024
वार्ड का नाम- शहीद कौशल यादव वार्ड
वार्ड क्र. 06 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **06** मांग **पंजी क्र. 91 युआईडी 12378** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **चिंताराम साहू / अजित साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **दीपेश कुमार / जगत राम साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **08-11-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 487 दिनांक 09.10.2024
वार्ड का नाम- ठाकुर देव वार्ड
वार्ड क्र. 18 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **18** मांग **पंजी क्र. 882 युआईडी 37675** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **गोपाल शर्मा / जिउत शर्मा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **विकास कुमार दुबे/आदित्यनाथ दुबे** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **08-11-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 488 दिनांक 09.10.2024
वार्ड का नाम- ठाकुर देव वार्ड
वार्ड क्र. 18 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **18** मांग **पंजी क्र. 882 युआईडी 37675** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **गोपाल शर्मा/जिउत शर्मा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **प्रेमशीला खुशवाहा / कृष्णा भुवन कुमार सिंह** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **08-11-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 482 दिनांक 08.10.2024
वार्ड का नाम- रविशंकर शुक्ल वार्ड
वार्ड क्र. 13 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **13** मांग **पंजी क्र. 224 युआईडी 16799** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **सिद्धनाथ कुमार / अर्जुन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **देवेन्द्र कुमार वर्मा / नारायण वर्मा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **07-11-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 483 दिनांक 08.10.2024
वार्ड का नाम- भारत माता वार्ड
वार्ड क्र. 30 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **30** मांग **पंजी क्र. 479 युआईडी 37370** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **संतोष तिवारी / तुलसी राम तिवारी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **आयुष्मान तिवारी / संतोष तिवारी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **07-11-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

PUBLIC NOTICE

NOTICE U/S 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT 1932

Manoj Mishra and Tanu Rixvi partner's of the firm M/s R.S. Construction are voluntary resigning from the firm. Therefore, they are unable to continue as a partner in said firm. The Shares of the outgoing partner will be transferred to Sumit Choudhary, Rajeshwari Choubey an Amit Kumar Choubey.

The Remaining partners will carry out the firm on same terms as earlier.

For, M/s R. S. CONSTRUCTION
PARTNER

कार्यालय नगरपालिका परिषद कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

क्रमांक / 3586 / न.पा.प./ लो.नि.वि./2024-25 कवर्धा, दिनांक 08.10.2024

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से निम्नलिखित निर्माण/विकास कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य विवरण	कुल अनु. लागत राशि (लाख में)	नि.प्र. प्रदाय करने हेतु आवेदन की अंतिम तिथि
1	सुधा गार्डन का जीर्णोद्धार कार्य (चेयर, डॉलफीन, झुला, कबाना एवं फाउंटेन (नॉन एसओआर.)	15.138	04.11.2024
2	रानी झांसी गार्डन में खेल सामाग्री (नॉन एसओआर.)	6.00	---------------
3	इण्डोर स्टेडियम में बिजमेंटन कोर्ट निर्माण (नॉन एसओआर)	19.44	-------------

2- उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट **www.uad.cg.gov.in** से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी,
नगर पालिका परिषद कवर्धा.
कवर्धा, दिनांक 08.10.2024

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनान्तर्गत इंद्रावती कालोनी, राजा तालाब, रायपुर में स्थित फ्लैट **क्र. एल.आई.जी. -25, श्रीमती विद्या गुप्ता पति श्री एम. एल. गुप्ता,** के नाम पर इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्रमांक 5769 दिनांक 06.09.1980 के माध्यम से आबंटित किया गया है। उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 30.03.1997 को सेलडीड पंजीकृत करा लिया गया है। वर्तमान में आबंटी **श्रीमती विद्या गुप्ता पति श्री एम. एल. गुप्ता, निवासी फ्लैट क्र. एल.आई.जी.-25, इंद्रावती कालोनी, राजा तालाब, रायपुर** के द्वारा आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट को क्रेता **श्रीमती उमा अग्रवाल पति हंसराज अग्रवाल, निवासी एल.आई.जी. -44, इंद्रावती कालोनी, राजा तालाब, रायपुर** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14961/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 07-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14961
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489BF** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NIKITA MARWAH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KAMAL KISHORE MARWAH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14960/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 07-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14960
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489BF** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANJAY SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAMUNA PRASAD SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14959/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 07-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14959
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489BE** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANAMIKA KUMARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH ROUSHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./15042/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 09-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15042
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L0060** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANISH KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARI NARAYAN PRASAD YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAKESH RAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LALDEV RAY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./15096/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 09-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15096
वार्ड का नाम-42-पं. सन्दर लाल शर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 42 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR566D00127** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती SARLA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. RAMANUJ SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती ASHISH SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. RAMANUJ SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./15092/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 09-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15092
वार्ड का नाम-68-खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR568A0803A** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती ROHITASHAV TRIPATHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SHYAM SUNDER TRIPATHI** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती SUMIT TRIPATHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SHYAM SUNDER TRIPATHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./15095/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 09-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15095
वार्ड का नाम-42-पं. सुन्दर लाल शर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 42 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR566C00290** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती JYOTI MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RUPESH MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती MOHAMMAD RAZA DEVANDYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ABDUL SALIM DEVANDYA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./15089/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 09-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15089
वार्ड का नाम-66-वामनराव लाखे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR664E00131** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती ASHWANI PRASAD MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. KRISHNA KUMAR MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती CHAGAN LAL SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. MAKHAN LAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./15090/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 09-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15090
वार्ड का नाम-40-ठाकुर प्यारेलाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 40 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR569L0212B** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती RAMESHWAR PRASAD GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SARJU PRASAD GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती RAGHVENDRA PRASAD GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMESHWAR GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./15093/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 09-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15093
वार्ड का नाम-68-खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR568A00803** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती CHANDRAKAL TRIPATHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHYAM SUNDER TRIPATHI** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती ROHITASHWA TRIPATHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SHYAM SUNDER TRIPATHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./15094/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 09-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15094
वार्ड का नाम-68-खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567C00423** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती BHARATI MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PANKAJ MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती OM KAILASH BAGHMARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PREM LAL BAGHMARE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./15053/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 09-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15053
वार्ड का नाम-28-शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR253G00472** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती SHAHNAZ BANO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O A. JABBAR ALI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री अतुल कुमार जैन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता श्री - प्रेमचंद जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
आर के डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 2
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /15062/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 08-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15062
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108P00092** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUKHVINDER SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **INDERPAL SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PREETI SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRAKASH KUMAR SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /15087/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 09-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15087
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801L01087** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUKHVINDER SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BHUPINDER KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. SUKHVINDER SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **नामांतरण आदेश हाउसिंग बोर्ड द्वारा**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./15086/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 09-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15086
वार्ड का नाम-66-वामनराव लाखे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR664B00249** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती VIJAY VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. KEDAR PRASAD VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती LIKESHWAR PRASAD SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DUSHYANT KUMAR SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर गुरूवार 10 अक्टूबर 2024

खाद्य विभाग ई-केवाईसी में लाए तेजी-कलेक्टर

ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल में दर्ज प्रकरणों का समय-सीमा में करें निराकरण

लक्ष्य सुनिश्चित कर पीएम आवास के कार्यों में लाए प्रगति

रायगढ़(विश्व परिवार)। जिले में ई-केवाईसी की प्रगति अपेक्षाकृत कम है। जिसमें खरसिया शहरी द्वारा ई-केवाईसी पर कार्य नहीं किया गया है, इसी प्रकार अन्य स्थानों की प्रगति भी संतोषजनक नहीं है। सभी एसडीएम ई-केवाईसी की नियमित समीक्षा करते हुए प्रगति लाए। साथ ही सीएमओ, जनपद सीईओ एवं एवं खाद्य विभाग लक्ष्य बनाकर कार्य करें। उक्त बातें आज कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने समय-सीमा की बैठक में खाद्य विभाग की समीक्षा करते हुए कहा। इस दौरान उन्होंने पीडीएस बारदानें जमा करने के स्थिति की भी जानकारी ली। कलेक्टर गोयल ने ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल में दर्ज प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने नियमित रूप से प्राप्त आवेदनों का अवलोकन कर समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर गोयल ने केसीसी निर्माण के संबंध में कहा कि लक्ष्य के विरुद्ध प्रगति धीमी है। उन्होंने कृषि विभाग, पशुपालन, उद्यानिकी एवं मत्स्य पालन विभाग को केसीसी बनाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को इसका लाभ मिल सके। कलेक्टर गोयल ने उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं के कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी ग्राम पंचायतों को समितियों से जोडऩे का कार्य किया जाना है, ताकि लोगों को आर्थिक रूप से लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने इस कार्य को प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जिले में उपलब्ध गोदामों एवं उनकी क्षमता की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर गोयल ने जल जीवन मिशन के प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि बारिश समाप्त होने वाली है, सभी निर्माण कार्य तेजी से होने चाहिए। ओवरहेड टैंक और पाइप बिछाने के प्रगतिरत काम को तेजी से पूरा करें। उन्होंने खम्हारपाकुट के इंटकवेल प्रोजेक्ट के माध्यम से लैलूंगा नगरीय निकाय में पानी सप्लाई परियोजना के प्रगति की जानकारी ली। कलेक्टर गोयल ने कार्य के प्रगति हेतु एसडीएम को नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिले के सभी वाटर बॉडीज की ऑनलाइन पोर्टल में एंट्री की जानकारी लेते हुए एंट्री के कार्य को अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर गोयल ने पीएम आवास की समीक्षा करते हुए कहा कि पीएम आवास शहरी की प्रगति धीमी है। उन्होंने सभी सीएमओ को लक्ष्य निर्धारण कर कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि लक्ष्य पूर्ण किया जा सके। इसी तरह पीएम आवास ग्रामीण के लिए सीईओ जनपद को निर्देशित किया कि स्वीकृत पुराने एवं नए आवास की जानकारी उपलब्ध कराए। कलेक्टर गोयल ने जिले में ब्लड उपलब्धता को लेकर स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि जिले के ब्लड बैंक में उपलब्ध ब्लड डैश बोर्ड के माध्यम से ऑनलाइन दिखे, इसके लिए उन्होंने आवश्यक कार्य करें।

समाज सेवी विजय राज अग्रवाल को एक और दायित्व बने सम्भाग अध्यक्ष

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)विजयराज अग्रवाल को वैश्य वर्ल्ड फाउण्डेशन के द्वारा सरगुजा संभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

वैश्य वर्ल्ड फाउण्डेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री यशपाल गुप्ता (दिल्ली) की अनुमति एवं प्रदेश अध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल की सहमति से सरगुजा क्षेत्र के प्रसिद्ध समाज सेवी विजयराज अग्रवाल को वैश्य वर्ल्ड फाउण्डेशन छत्तीसगढ़ सरगुजा संभाग के अध्यक्ष के रूप नियुक्ति प्रदान की गई है। सामाजिक क्षेत्र में सक्रियता सजगता के साथ किये गये कार्यो को दृष्टिगत रखते समाज और संगठन के हित में विजयराज अग्रवाल को सरगुजा संभाग के अध्यक्ष के रूप नियुक्ति प्रदान की गई है। ज्ञात हो कि सर्व वैश्य समाज को संगठित करने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर वैश्य वर्ल्ड फाउण्डेशन का गठन किया गया है। संगठन का उद्देश्य वैश्य समाज को एकजुट कर सामाजिक समस्याओं का निराकरण कर समाज का सम्मान बढ़ाला है। संगठन बेटी बचाओं अभियान, वैश्य रोजगार केन्द्र, पर्यावरण संचेतना, व्यपारिक सुरक्षा एवं वैवाहिक परिचय डाटा बैंक कार्यक्रमों को क्रियान्वित कर रही है। संगठित वैश्य समर्थ भारत की परिकल्पना को साकार करने के उ?द्देश्य से वैश्य वर्ल्ड फाउण्डेशन छत्तीसगढ़ सतत प्रयासरत है। वैश्य वर्ल्ड फाउण्डेशन छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग का अध्यक्ष बनाये जाने पर विजयराज अग्रवाल ने कहा कि मेरे लिये ये दायित्व सर्वोपरि है। वैश्य वर्ल्ड फाउण्डेशन ने मुझ पर विश्वास दिखाते हुए जो जिम्मेदारी मुझे दी है, उसका निर्वहन में पूर्ण निष्ठा एवं तत्परता से करूंगा। वैश्य समाज के सभी वर्गो का सहयोग प्राप्त करने की कोशिश करूंगा और सरगुजा संभाग में वैश्य वर्ल्ड फाउण्डेशन के उद्देश्यों के तहत् समाज सेवा के कार्यों का पूर्ण मनोयोग से निवर्हन करूंगा। वैश्य समाज सम्पूर्ण देश की आर्थिक व्यवस्था की आधार शिला होती है। देश पर कभी भी संकट आने पर वैश्य समाज ने आगे बढ़कर सामाजिक एवं आर्थिक सेवा कार्यों को क्रियान्वित किया है। कोरोना काल में जब देश में त्राहि-त्राहि मची हुई थी, उस समय भी वैश्य समाज ने लोगों के प्राणों की रक्षा के लिये, उन्हे भोजन, वस्त्र व दवाइयों के लिये आर्थिक सहयोग निरन्तर प्रदान किया था। हिन्दुओ की जाति व्यवस्था के अंतर्गत वैश्य वर्णाश्रम की तीसरा महत्वपूर्ण स्तंभ है, इस वर्ग में मुख्य रूप से भारतीय समाज का हलवाई, पोद्दार, जायसवाल, कसौधन, अग्रवाल, मद्धेशिया, बरनवाल, रौनियार एवं वैश्यबनिया समुदाय सम्मिलित है। मैं वैश्य समाज के इन जातियों / समुदाय के लोगों के लिये सदैव उपस्थित एवं कार्य करता रहूंगा।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए हुई बैठक

कोरबा(विश्व परिवार)। 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर श्री अजीत वसंत की अध्यक्षता में तथा नगर निगम आयुक्त श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान श्रीमती ममगाई ने क्रीड़ा प्रतियोगिता की सफलता के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारी हेतु विभागों तथा सार्वजनिक उपक्रमों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि क्रीड़ा प्रतियोगिता की सफलता के लिए सभी विभाग तथा संस्थाएं अपना शत-प्रतिशत योगदान दें। उन्होंने कहा कि बाहर से खिलाड़ी-बच्चे आ रहे हैं, उनके लिए खेल मैदान, आवास व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था,सफाई व्यवस्था, भोजन, पानी, परिवहन आदि व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देकर तैयारी की जाए ताकि राज्य में जिले की उच्च छवि बनी रहे। उल्लेखनीय है कि कोरबा में चार दिवसीय राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 21 अक्टूबर से 24 अक्तूबर 2024 तक किया जाएगा। इसमें क्रिकेट बालक-बालिका 19 वर्ष, एवं नेटबॉल बालक, बालिका 14, 17, 19 वर्ष के पांच संभागों से बालक 260 तथा बालिका 260 कुल 520 खिलाड़ी और 5 संभागों से 125 कोच मैनेजर तथा 150 राज्य स्तरीय अधिकारी शामिल होंगे। इसके साथ ही मेजबान कोरबा जिला आयोजन समिति के कार्यकर्ता एवं स्थानीय अधिकारी 200 की संख्या में शामिल होंगे। प्रतियोगिता में लगभग 1000 खिलाड़ी और अधिकारी कर्मचारी होंगे। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री टी. पी. उपाध्याय, जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री दीनू पटेल, प्राचार्य सहित एचसीसीएल, विद्युत, बाल्को आदि के अधिकारी उपस्थित थे।

सीतापुर विधायक बोले फौज में रहकर देश सेवा की अब भाजपा में रहकर संगठन एवं प्रदेश का सेवा करूंगा -रामकुमार टोप्पो

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-भाजपा मंडल शिवनंदनपुर और लटोरी मंडल के संयुक्त बैठक बिंझिया सामुदायिक भवन जयनगर में आयोजित हुई बैठक में मुख्य अतिथि सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो एवं भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य अजय गोयल उपस्थित मे सर्वप्रथम श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुभारंभ की गई । उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि सीतापुर विधानसभा विधायक रामकुमार टोप्पो ने सदस्यता अभियान पर जोर दिया और कहां की फौज में रहकर बॉर्डर पर देश का सेवा कर रहा था अब पार्टी और प्रदेश का सेवा करने का अवसर मिला है ।भारतीय जनता पार्टी ऐसा पार्टी है जो काम करके पोलिंग बूथ का अध्यक्ष भी विधायक बन सकता है मैं विश्व के सबसे बड़ी पार्टी की सदस्य हूं जो देश के लिए काम करता है आप सभी सौभाग्यशाली है जो भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हैं। सक्रिय सदस्य बनने के लिए जो कार्यकर्ता

पहले 50 सदस्य बनाए उसे आप 100 सदस्य बनना है ऑफ्लाइन भी सदस्य ज्यादा से ज्यादा बनाना है। मंच संचालन भाजपा मंडल महामंत्री संदीप सरकार ने किया,आभार व्यक्त लाटोरी मंडल अध्यक्ष मोहन शर्मा ने की। इस कार्यक्रम में भाजपा पूर्व जिला मंत्री ललित गोयल, जिला मंत्री अशोक सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष धन राम बिंझिया, ठाकुर प्रसाद, भोग प्रसाद ,अमरनाथ पैकरा ,दीपेन सिंह चौहान, शिव राजवाड़े, श्रीमती अंजू सिंह, मन्मथ बछड, श्यामल समादार, संजय नेताम, श्रीमती अंजू सिंह, रतन गर्ग, श्रीमती करुणा सिकदर ,मनी बग्गा कृष्ण कुमार गोयल रितेश जायसवाल ,श्यामू साहू ,तारक सरदार ,बंटेश्वर सारथी ,दीपेंद्र सोनवानी ,नोहर सहाय ,वीरेंद्र कुमार ,गौरांग मंडल ,भगवत प्रजापति, दुर्योधन राजवाड़े, संतोष कुमार ,दिनेश राजवाड़े, समीर सिंह ,गोलन राम ,दीपक पाठक ,भोला राजा राम ,जीरो बाई ,बोलचू राजवाड़े ,सुमानिया, विजय कुर्रे अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिक्षक एलबी संवर्ग की समस्याओं को लेकर जिला पंचायत सीईओ एवं जिला शिक्षा अधिकारी से मिला टीचर्स एसोसियेशन

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-शिक्षक एलबी संवर्ग की समस्याओं को लेकर टीचर्स एसोसियेशन का प्रतिनिधिमंडल जिला पंचायत सीईओ एवं जिला शिक्षा अधिकारी आर एल पटेल से मुलाकात कर क्रमोन्नत आवेदन के साथ साथ पंचायत अवधि का लंबित एरियर्स राशि की गणना करने के साथ प्राथमिक शाला प्रधान पाठक के पद पर शीघ्र पदोन्नति देने की मांग की है। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसियेशन के प्रदेश महामंत्री रंजय सिंह प्रदेश पदाधिकारी अजय प्रताप सिंह,मुकेश मुदलियार, सूरजपुर जिलाध्यक्ष भूपेश सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल जिला अधिकारियों से क्रमोन्नति हेतु प्राप्त आवेदन का त्वरित निराकरण करने,पंचायत अवधि का लंबित पुनरीक्षित वेतनमान,महंगाई भत्ता,वेतन वृद्धि,वेतन सहित अन्य का एरियर्स गणना कर सूचना पटल पर प्रकाशित करने के साथ ही रिक्त प्राथमिक शाला प्रधानपाठक के पद पर पदोन्नति प्रदान करने की मांग की है। प्रदेश महामंत्री रंजय सिंह ने बताया कि क्रमोन्नति हेतु आवेदन सभी एलबी संवर्ग के शिक्षकों द्वारा नियोक्ता को दी गई है उक्त विषय पर कार्यवाही जल्द करने का मांग किया गया है प्रदेश में अत्यधिक संख्या में आवेदन दिए गए है जिस पर आवश्यक कार्यवाही अपेक्षित है इन्होंने बताया कि पंचायत अवधि का एरियर्स राशि अभी भी अप्राप्त है जिसकी गणना हेतु संघ द्वारा कई बार मांग किया गया है परंतु गणना की गति एक दम धीमा है किसी भी विकास खण्ड में कितनी राशि एरियर्स की लंबित है शिक्षकों को नहीं बताया गया है,जो उचित नहीं हैं शिक्षको के लंबित समस्त एरियर्स की गणना कर जानकारी शिक्षको को देना चाहिए जिससे शिक्षक भी जान सके कि कितना राशि एरियर्स के रूप में उनका लंबित है । जिलाध्यक्ष भूपेश सिंह ने बताया कि जिले में रिक्त प्राथमिक शाला प्रधानपाठक के पदों पर वरिष्ठता सूची प्रकाशित कर जल्द पदोन्नति प्रदान करने की मांग किया गया है इन्होंने बताया कि जिले में एक सौ पचास से ज्यादा प्रधानपाठक के पद रिक्त है ऐसी स्थिति में एक अप्रैल चौबीस की स्थिति में वरिष्ठता सूची तैयार कर पदोन्नति प्रदान करना चाहिए,जिला शिक्षा अधिकारी आर एल पटेल ने बताया कि जल्द ही पदोन्नति प्रक्रिया आरंभ की जाएगी इन्होंने बताया कि जल्द वरिष्ठता सूची प्रकाशित कर दावा आपत्ति आमंत्रित की जावेगी । इस अवसर पर टीचर्स एसोसियेशन के जिला पदाधिकारी सुरविन्द गुर्जर,गौरी शंकर पांडेय, घनश्याम सिंह,रामचंद्र प्रसाद सोनी, अनुज राजवाड़े ,बिजेंद्र साहू,चंद्रविजय सिंह,टेक राम राजवाड़े,मिथिलेश पाठक,नागेंद्र सिंह,पीताम्बर सिंह मरावी,चंद्रदेव चक्रधारी, रामबरन सिंह, जितेंद्र सिंह, बिनोद केराम, संजय चतुर्वेदी, बिरेंद्र सिंह, जानकी प्रसाद यादव,अरविंद तिवारी,जितेंद्र नाथ दुबे,बहादुर राजवाड़े उपस्थिति रहे ।

संक्षिप्त समाचार

पीट-पीटकर पत्नी की हत्या,पति गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को मुक्के से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। बताया जाता है कि दोनो ने महतारी वंदन योजना की राशि से शराब पिया और फिर दोनों के बीच पैसे को लेकर विवाद हुआ। इस दौरान पति ने मुक्के से पत्नी के सिर और चेहरे पर मारकर गंभीर चोट पहुंचाई, जिससे उसकी मौत हो गई। मामला पसान थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सैला की रहने वाली सुन्नी बाई को महतारी वंदन योजना के तहत 1000 रुपए हर माह मिले थे। सुन्नी बाई और उसके पति महिपाल धुनुहार उर्फ महिलाल ने बैंक से एक हजार रुपए निकाला। फिर दोनों ने 200 रुपए का शराब खरीदा और घर पर साथ बैठकर शराब पिया। इसके बाद सुन्नी बाई ने बचे हुए 800 रुपए पति से मांगे। इस पर पति ने सब पैसे खर्च होने की बात कही। जिसे लेकर दोनों में बीच विवाद हुआ और विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने मुक्के से पत्नी के सिर और चेहरे जोरदार हमला कर दिया। जिसे पत्नी को गंभीर चोट पहुंची और वह बेहोश हो गई। स्थानीय लोगों ने डायल 112 को सूचना दी। मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने सुन्नी बाई को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद प्रारंभिक पड़ताल के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर जेल भेज दिया है।

ट्रायसिकल से यूनस का सफर होगा आसान

कोरबा(विश्व परिवार)। एक दुर्घटना के पश्चात अपने दोनों पैर पर ठीक से खड़ा नहीं हो पाने वाले यूनस राज को आज एक नया साथी मिल गया। उन्हें यह साथी एक ट्रायसिकल के रूप में मिला है और इस साथी की बदौलत वह अपनी कठिन डगर के सफर को आसान बना सकता है। राज्य शासन द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए उठाए जा रहे कदम के अनुरूप यूनस राज को समाज कल्याण विभाग के माध्यम से ट्रायसिकल प्रदान किया गया। अब ट्रायसिकल मिल जाने के बाद यूनस अपनी पसंद के अनुसार कही भी आना जाना कर सकता है। रामपुर के रहने वाले यूनस राज ने बताया कि एक दुर्घटना से उसका पैर चोटिल होने के साथ पहले जैसा चलने फिरने लायक नहीं रहा। ट्राईसाइकल नहीं होने से आने जाने में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता था। युनस राज ने बताया कि उन्हें जब मालूम है कि शासन द्वारा समाज कल्याण विभाग के माध्यम से दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकल प्रदान की जाती है तो उन्होंने आज अपना आवेदन विभाग को दिया। विभाग के माध्यम से उन्हें ट्राई साइकिल प्रदान की गई है। इस ट्राइसाइकल से वह आसानी से कहीं भी आवागमन कर सकेगा।

सिविल लाइन थाना के बाहर महिला ने मचाया हंगामा

बिलासपुर(विश्व परिवार)। थाने के सामने एक महिला ने जमकर हंगामा मचाया है। महिला की हरकत देखकर पुलिसवाले भी हैरान रह गए। दरअसल, महिला अपने भाई को छुड़ाने के लिए थाने पहुंची थी। पुलिस ने जब उनके भाई को नहीं छोड़ा तो महिला ने थाने के सामने हंगामा किया। जानकारी के अनुसार, घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। जहां एक महिला के पति और उसके भाई के बीच विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि पति पत्नी के तलाक के मुकदमे के दौरान महिला के भाई के साथ विवाद हुआ था। जिसके बाद पति ने इसकी शिकायत पुलिस को दी थी। पुलिस ने महिला के भाई को गिरफ्तार कर लिया था। तभी महिला अपने भाई को छुड़वाने के लिए थाने पहुंची थी, लेकिन पुलिस ने उनके भाई को छोड़ने से मना कर दिया।

रेत के अवैध परिवहन करते पांच ट्रेक्टर वाहन जप्त

महासमुन्द(विश्व परिवार)। खनिज विभाग द्वारा रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर की जा रही कार्रवाई में कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार सख्ती बरती जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को ग्राम कनेकेरा भलेसर में रेत के अवैध परिवहन की शिकायत पर खनिज विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए 05 ट्रेक्टर वाहन को जप्त कर थाना सिटी कोतवाली की अभिरक्षा में सुपुर्द किया गया। विभाग द्वारा रेत भंडारण में छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन एवं भंडारण) नियम 2009 के उल्लंघन पर स्वीकृत 03 भंडारण अनुज्ञप्ति को निरस्त करते हुए उक्त तीनों अनुज्ञप्ति की प्रतिभूति राशि 50000 कुल 150000 को राजसात किया गया। इसके अतिरिक्त खनिज विभाग द्वारा स्वीकृत भंडारण अनुज्ञप्ति भण्डार नियमों के उल्लंघन पर 6 अनुज्ञप्तिधारियों को क्रमश: 99500 रुपए, 95000 रुपए, 59500 रुपए, 49000 रुपए, 59500 रुपए एवं 50500 रुपए की शास्ति आरोपित करते हुए कुल 413000 रुपए की राशि जमा कराई गई है।

संपादकीय

जयशंकर चुप ही रहे

पड़ोसी देशों का भारत से रिश्ता वहां के किसी एक राजनीतिक खेमे पर इतना निर्भर क्यों है? इसका आधार पूरे सियासी दायरे में क्यों नहीं है? फिर उन देशों में भारत विरोधी भावनाओं के लिए खुद भारत के सत्ताधारी नेता कितने जिम्मेदार हैं? विदेश नीति के मोर्चे पर भारत को गहरे आत्म-निरीक्षण की जरूरत है, लेकिन वर्तमान सरकार से इसकी अपेक्षा निराधार है। इस सरकार की पहचान प्रतिकूल स्थितियों में अनुकूलता के तत्व गढने) की रही है। यही संकेत फिर मिला, जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर वॉशिंगटन स्थित एशिया सोसायटी के संवाद में शामिल हुए। वैसे उनसे यह सुनना कर्णप्रिय लगा कि पड़ोसी देशों की अंदरूनी घटनाएं भारत की इच्छा के मुताबिक घटे, ऐसी अपेक्षा भारत नहीं रखता। संदर्भ लगभग दो महीने पहले बांग्लादेश में हुए सत्ता पलट और इसी हफ्ते श्रीलंका में आए चुनाव नतीजों का था। पांच अगस्त को शेख हसीना के देश छोडने पर मजबूर होने के बाद से बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं ऊफान पर हैं। इधर समझा जाता है कि श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनूरा कुमार दिसानायके और उनकी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना परंपरागत रूप से भारत विरोधी रही हैं। मतलब यह कि दो महीनों के अंदर दो पड़ोसी देशों में भारतीय विदेश नीति के लिए नई चुनौतियां पैदा हुई हैं। आत्म-निरीक्षण का विषय यह होना चाहिए कि आखिर पड़ोसी देशों का भारत से रिश्ता वहां के किसी एक राजनीतिक खेमे पर इतना निर्भर क्यों है? इसका आधार पूरे सियासी दायरे में व्यापकता लिए क्यों नहीं है? आत्म-निरीक्षण का दूसरा विषय है कि उन देशों में भारत विरोधी भावनाओं के लिए खुद भारत के सत्ताधारी नेता कितने जिम्मेदार हैं? अभी हाल में गृह मंत्री अमित शाह झारखंड में चुनाव प्रचार में गए, तो वहां उन्होंने बांग्लादेशियों के बारे में कुछ ऐसा कहा, जिससे बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं फिर भड़क उठीं। शाह पहले भी बांग्लादेशियों के लिए दीमक जैसे शब्द बोल चुके हैं। इसी तरह तमिलनाडु में चुनाव के मौके पर प्रधानमंत्री ने कच्चतिवू द्वीप का मसला जोरशोर से उठाया था, जिसको लेकर श्रीलंका में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। विडंबना यह है कि चुनाव के बाद कच्चतिवू के सवाल को भुला दिया गया। सत्ता के शिखर पर बैठे नेता जब चुनावी गणना के मुताबिक दूसरे देशों से संबंधित मुद्दे गरमाते हैं, तो क्या उन्हें इसके उन देशों में संभावित असर का ख्याल नहीं रहता? ऐसे बिंदुओं पर जयशंकर चुप ही रहे।

पूरक आहार बाल कुपोषण के लिए सबसे महत्वपूर्ण एजेंडा क्यों है?

इस सितंबर में भारत ने 7वां राष्ट्रीय पोषण माह 2024 मनाया गया। यह पोषण जागरूकता और कार्रवाई के लिए समर्पित महीना है, एक महत्वपूर्ण पहलू जो सभी के सामूहिक ध्यान की मांग करता है, वह है पूरक आहार । शिशुओं को केवल स्तनपान से ठोस और अर्ध-ठोस खाद्य पदार्थों वाले आहार में बदलने की यह प्रथा भारत में कुपोषण की लगातार समस्या को दूर करने के लिए मौलिक है। पूरक आहार केवल भोजन के बारे में नहीं है; यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि बच्चों को सही समय पर सही पोषक तत्व मिलें। यह एक स्वस्थ और उत्पादक जीवन की नींव रखता है। चूँकि केवल दूध बढ़ते बच्चे की पोषण संबंधी ज़रूरतों को पूरा नहीं कर सकता है, इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच ओ) 6 महीने की उम्र में पोषण संबंधी पर्याप्त और सुरक्षित पूरक खाद्य पदार्थों की शुरूआत के साथ-साथ 2 साल की उम्र या उससे आगे तक स्तनपान जारी रखने की सलाह देता है । पूरक आहार मस्तिष्क के कार्य, शारीरिक विकास और प्रतिरक्षा विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मस्तिष्क के विकास पर वैज्ञानिक प्रमाण बताते हैं कि जन्म के दो साल के भीतर, मस्तिष्क का आकार 100 प्रतिशत से अधिक बढ़ जाता है, जो मुख्य रूप से ग्रे मैटर के विकास से प्रेरित होता है । इसी तरह पहले वर्ष के दौरान एक बच्चे का वजन लगभग तीन गुना बढ़ जाता है। इसलिए पूरक आहार न केवल मस्तिष्क के विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि बाल कुपोषण को रोकने में भी इसकी भूमिका है - एक ऐसी स्थिति जो भारत में पाँच वर्ष से कम उम्र के लगभग एक-तिहाई बच्चों को प्रभावित करती है। बच्चों में कुपोषण में स्टंटिंग (उम्र के हिसाब से कम ऊँचाई), वेस्टिंग (ऊँचाई के हिसाब से कम वज़न) और अंडरवेट (उम्र के हिसाब से कम वज़न) शामिल हैं। यह बढ़ते बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं। उदाहरण के लिए शोध से पता चलता है कि स्टंटिंग वाले बच्चों के टेस्ट स्कोर कम होने, खराब ज्ञान-संबंधी परिणाम और यहाँ तक कि बाद के जीवन में आर्थिक उत्पादकता कम होने की संभावना अधिक होती है । इसके अलावा पूरक आहार एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली के निर्माण में आवश्यक है। यह दस्त, श्वसन संबंधी बीमारियों और खाद्य एलर्जी जैसे संक्रमणों को कम करने में मदद करता है, जो छोटे बच्चों में आम हैं। जाहिर है बच्चे के जीवन के पहले दो साल एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जहाँ पर्याप्त पोषण हमारी भावी पीढ़ियों के शारीरिक विकास, अनुभूति और प्रतिरक्षा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकता है। यह एक महत्वपूर्ण अवधि है जहाँ विटामिन युक्त फलों और सब्जियों, साबुत अनाज, फलियाँ, अंडे और डेयरी उत्पादों से भरा संतुलित आहार बच्चे के स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है । इसके बावजूद भारत में पूरक आहार का प्रचलन चिंताजनक रूप से कम है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के डेटा छोटे बच्चों के लिए पूरक आहार में एक महत्वपूर्ण अंतर दिखाते हैं। कुपोषण से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय पोषण माह 2024 में महिला और बाल विकास मंत्रालय (एमओडब्ल्यूसीडी) द्वारा पूरक आहार को प्राथमिकता देना, भारत के पोषण एजेंडे में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है । यह हमें महत्वपूर्ण प्रश्न की ओर ले जाता है: भारत में छोटे बच्चों के बीच पूरक आहार को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं? सफल पूरक आहार के लिए सबसे पहले और सबसे जरूरी है आहार में स्वस्थ और पौष्टिक भोजन को शामिल करना, खासकर छह महीने से दो साल के बीच की अवधि के दौरान। भारत की समृद्ध रसोई की विरासत पोषक तत्वों से भरपूर कई विकल्प प्रदान करती है, जो छोटे बच्चों के लिए आदर्श हैं। खिचड़ी और दलिया जैसी पारंपरिक खाना न केवल बनाने में आसान हैं, बल्कि आवश्यक पोषक तत्वों से भी भरपूर हैं। उदाहरण के लिए रागी केला दलिया आयरन और कैल्शियम का एक उत्कृष्ट स्रोत है, जबकि बाजरा खिचड़ी विटामिन और खनिजों का एक अच्छा मिश्रण प्रदान करती है । सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मिशन पोषण के दूससे चरण के लिए महिला और बाल विकास मंत्रालय के दिशा-निर्देशों में आहार विविधता को बढ़ावा देने और ताजे फल, सब्जियां, बाजरा और साबुत खाद्य पदार्थों के सेवन पर बहुत बल दिया गया है । इन दिशानिर्देशों के आधार पर स्थानीय रूप से उपलब्ध और किफायती सामग्री से बने पारंपरिक खाद्य पदार्थों को पुनर्जीवित करने से यह सुनिश्चित होगा कि बच्चों को संतुलित आहार मिले, जो उनके विकास और वृद्धि में सहायक हो । दूसरा, वैज्ञानिक संदेश के लिए सांस्कृतिक प्लेटफार्मों का उपयोग बड़े पैमाने पर

सामाजिक और व्यवहारिक परिवर्तन को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण रणनीति हो सकती है । दिलचस्प बात यह है कि जन्म के छह महीने बाद पूरक आहार शुरू करने के लिए डब्ल्यूएचओ की सिफारिश की गई समय-सीमा, भारतीय सांस्कृतिक संदर्भ में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर 'अन्नप्राशन' की सदियों पुरानी प्रथा से पूरी तरह मेल खाती है । पूरक आहार के महत्व को पहचानते हुए महिला और बाल विकास मंत्रालय देश भर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित एक समुदाय-आधारित कार्यक्रम के रूप में अन्नप्राशन दिवस के उत्सव को बढ़ावा देता है। इससे माताओं और स्थानीय समुदायों को बच्चों के आहार में विविध और पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करने के महत्व के बारे में परामर्श दिया जा सके। इस प्रकार वैज्ञानिक संदेश के लिए पारंपरिक ज्ञान और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाओं का उपयोग करना साक्ष्य-आधारित शिशु और छोटे बच्चे के आहार प्रथाओं की स्वीकृति और अपनाने को बढ़ावा देने के लिए एक सर्वोत्तम अभ्यास के रूप में उभरता है । तीसरा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी छोटे बच्चों को सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना पौष्टिक भोजन तक पहुंच मिले वर्त्तमान सरकारी कार्यक्रमों का लाभ उठाना महत्वपूर्ण है । महिला और बाल विकास मंत्रालय का पूरक पोषण कार्यक्रम (एसएनपी) छह महीने से छह साल की उम्र के बच्चों को घर ले जाने का राशन और गरम पका हुआ भोजन प्रदान करता है। यह परिवारों के लिए जीवन रेखा के रूप में कार्य करता है, विशेष रूप से कम आय वाले समुदायों में जहां पोषक तत्वों से भरपूर भोजन तक पहुंच अक्सर सीमित होती है । चौथा स्वस्थ खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देते समय बच्चों को जंक और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों, विशेष रूप से उच्च वसा, चीनी और नमक के खाद्य पदार्थों के खतरों से बचाना भी बहुत महत्वपूर्ण है। कुकीज़, चिप्स, नमकीन, इंस्टेंट नूडल्स, सॉफ्ट ड्रिंक और बेकरी उत्पाद जैसे जंक फूड दुर्भाग्य से बच्चों के खास भोजन बन गए हैं। इसके अतिरिक्त प्रमुख बहुराष्ट्रीय ब्रांडों के बेबी फूड हाल ही में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग जैसी संस्थाओं द्वारा उच्च चीनी रखने के लिए जांच के दायरे में आए हैं, विशेष रूप से भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध । इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि भारत में छोटे बच्चों के बीच जंक फूड की खपत हर साल तेजी से बढ़ रही है। चिंताजनक रूप से हाल ही में वैज्ञानिक साक्ष्य संकेत देते हैं कि इन अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के संपर्क में आने से मोटापा और मधुमेह की शुरुआत हो सकती है, जो बड़े होने पर स्थायी स्वास्थ्य स्थितियों का कारण बन सकती है। इसलिए प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और माता-पिता को स्वस्थ विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है । यह सामुदायिक शिक्षा, मीडिया अभियानों और माता-पिता को उचित भोजन प्रथाओं पर परामर्श देने में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भागीदारी से संभव हो सकता है । निर्णायक रूप से पूरक आहार 7वें पोषण माह 2024 का एक महत्वपूर्ण घटक था, जो मातृ और बाल पोषण के सबसे अधिक अनदेखे पहलुओं में से एक को संबोधित करता है । साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को बढ़ावा देने, अन्नप्राशन जैसी सांस्कृतिक परंपराओं का लाभ उठाने, सस्ती और स्थानीय रूप से उपलब्ध खाद्य व्यंजनों का प्रसार करने और बच्चों को अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों से बचाने से, देश कुपोषण को खत्म करने के अपने प्राथमिकता वाले एजेंडे को हासिल करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर सकता है। सरकार के प्रयास जन आंदोलन या सामूहिक लामबंदी के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि सभी बच्चों को उनके विकास के लिए आवश्यक पोषण मिले, जिससे राष्ट्र के लिए एक स्वस्थ भविष्य की नींव रखी जा सके।

लेखक: डॉ. अनन्या अवस्थी

आलेख

क्रिएट इन इंडिया' के मायने

अनुराग सक्सेना

पश्चिमी देशों ने नवाचार, बौद्धिक संपदा (आईपी) और तकनीकी प्रगति पर सदियों से अपना फोकस निरंतर बनाए रखने का लाभ उठाया है। अक्सर विनिर्माण और सेवा की तुलना में सृजन को महिमामंडित करके, इन देशों ने न केवल अपने आविष्कारों का आर्थिक लाभ प्राप्त किया है, बल्कि अपनी अवधारणाओं को वैश्विक स्तर पर निर्यात भी किया है। इन उपायों से वे आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हुए हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका ने इंटरनेट, फार्मास्यूटिकल और एयरोस्पेस जैसी विघटनकारी तकनीकों के माध्यम से उद्योग जगत को बदल दिया। इसके परिणामस्वरूप, उनके उत्पादों और सेवाओं की वैश्विक मांग पैदा हुई। इसी तरह, यूरोपीय देशों ने इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे- रेलमार्गों के आर्थिक लाभ), ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और लक्जरी सामान जैसे क्षेत्रों में नेतृत्व किया है, जहां नवाचार और बौद्धिक संपदा (आईपी) उनके वैश्विक प्रभुत्व के मूल में हैं। इसके विपरीत, भारत और चीन जैसी अर्थव्यवस्थाओं ने ऐतिहासिक रूप से विनिर्माण और सेवाओं पर अपने विकास को टिकाया है। यह दोनों ही क्षेत्र मूल्य-संवर्धन के परिदृश्य में निचले स्थान पर हैं। यह दृष्टिकोण, औद्योगिकीकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी होने के बावजूद, नवाचार या आईपी सृजन को प्राथमिकता नहीं देता है। वास्तव में बौद्धिक संपदा आर्थिक लाभ उठाने योग्य है। यही कारण है कि ये देश उन्नत प्रौद्योगिकियों के निर्माता बनने के बजाय उपभोक्ता बन गए हैं। हालांकि, चीन ने हाल के वर्षों में इस मॉडल को तोड़ दिया है। इसने नवाचार, बौद्धिक संपदा और तकनीकी प्लेटफार्मों में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। देश ने दूरसंचार, सोशल मीडिया और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीकों का विकास किया है। हुआवेई, टिकटोक और टेंसेंट जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियां इसके उदाहरण हैं। इन प्रयासों ने चीन की घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। इतना ही नहीं, इसे एक मजबूत वैश्विक निर्यातक के रूप में स्थापित किया है, और इसे दुनिया भर के अमूल्य डेटा तक पहुंच प्रदान की है। दूसरी ओर, भारत ने एक अलग तीव्र प्रगति का अनुसरण किया। उत्पादीकरण और प्रौद्योगिकी निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, भारत संपर्क केंद्रों, वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) और आईटी सेवाओं का पर्याय बन गया। इस स्थिति ने भारत को दुनिया का बैकरूम का नाम दिया। यह एक ऐसी भूमिका है, जिसने आर्थिक रूप से लाभकारी होने के बावजूद, नवाचार और उच्च-मूल्य प्रौद्योगिकी निर्माण के मामले में देश को पिछड़ा बना दिया। जबकि भारत ने सेवाएं प्रदान करने में उत्कृष्टता हासिल की, इसने अक्सर अन्य देशों के नवाचार और उत्पाद विकास से जुड़े प्रयासों का नेतृत्व करने के बजाय उनका समर्थन किया। हालांकि, पिछले दशक में भारत के वैश्विक रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है। भारत एक भू-राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरा है और इसने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी ताकत दिखाई है। कूटनीतिक रूप से, भारत ने वैश्विक मंच पर एक अधिक मुखर स्थिति अपनाई है, अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी स्वायत्तता बनाए रखते हुए प्रमुख शक्तियों के साथ रणनीतिक साझेदारी भी कायम की है। भू-राजनीतिक क्षेत्र में, भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया है और क्वाड जैसी पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, ताकि भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव का मुकाबला किया जा सके। व्यापार के मोर्चे पर, भारत ने व्यापार सौदों पर फिर से बातचीत की है और इसे खासकर कोविड-19 महामारी के कारण वैश्विक व्यवधानों के मद्देनजर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक महत्वपूर्ण हस्ती के रूप में देखा जा रहा है। यह नई मुखरता इस बात को निहित करती है कि भारत का क्रिएट इन इंडिया पर वर्तमान ध्यान समयोचित और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्यों है। नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास का समर्थन करके, भारत आर्थिक रूप से और सॉफ्ट पावर के मामले में, अगली सदी पर प्रभुत्व कायम करने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। आर्थिक रूप से, सृजन पर ध्यान केंद्रित करने से भारत मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठ सकेगा, अपनी बौद्धिक संपदा पर अधिक लाभ अर्जित कर सकेगा और विदेशी प्रौद्योगिकियों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। सॉफ्ट पावर के मामले में, मीडिया और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी होने से भारत को विकृत पश्चिमी कथानकों पर लगातार प्रतिक्रिया करने के बजाय अपने खुद के कथानकों को आकार देने की सुविधा मिलेगी। जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आह्वान किया, आइए हम सब मिलकर क्रिएट इन इंडिया' यानी 'भारत में सृजन करें आंदोलन शुरू करें।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी कचरा प्रबंधन का ब्लू-प्रिंट

तोखन साहू

हमारा देश अब स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की दसवीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। यह एक परिवर्तनकारी दशकीय यात्रा रही है, जिसके बारे में विचार करने पर प्रभाव बेहद गहरे नजर आते हैं। एक ऐसा मिशन जिसने भारत में स्वच्छता और सफाई के नए पैमाने स्थापित कर एक नई परिभाषा गढ़ी है। 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया यह मिशन केवल एक पहल नहीं, बल्कि एक आंदोलन था ङ्क हर एक नागरिक को स्वच्छ, स्वस्थ और 'विकसित भारत' में योगदान देने का आह्वान। आज, एसबीएम ने अपना फोकस केवल शौचालयों के निर्माण और उन तक नागरिकों की पहुंच को बढ़ाने तक ही सीमित नहीं रखा है, बल्कि इसमें विभिन्न समुदायों के लिए प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियां अपनाने के बारे में स्पष्ट रूप से मार्गदर्शन को भी शामिल किया है। यह बदलाव स्वच्छता के लिए जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देता है, सभी व्यक्तियों को अपने समाज की भलाई में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारे प्रधानमंत्री ने इस पहल को आगे बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप भारत खुले में शौच से मुक्त हुआ और हमारे समुदायों में जनभागीदारी की अनोखी अलख जगी। शहरी क्षेत्रों में, एसबीएम ने अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण का नेतृत्व किया है। कुशल अपशिष्ट पृथक्करण प्रणालियों के कार्यान्वयन से लेकर अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना तक, देश भर के शहरों ने आज अभिनव समाधान अपनाए हैं, जो कि वर्ष 2014-2024 के बीच हमारे माननीय प्रधानमंत्री कुशल मार्गदर्शन में दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों से ही संभव हुआ है। स्वच्छ सर्वेक्षण के रूप में एक वार्षिक स्वच्छता सर्वे की शुरूआत हुई, जिसने शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया। इसने शहरों को सफाई और स्वच्छता संबंधी मानकों का स्तर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया है, साथ ही स्वच्छता को स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ा है। स्वच्छ भारत मिशन के मूल में समाज के हर वर्ग और समुदायों की सक्रिय भागीदारी है। स्कूली बच्चों से लेकर महिला समूहों तक, सभी नागरिक स्वच्छता के प्रहारी बन गए हैं। राज्य सरकारों ने स्थानीय स्तर पर राष्ट्रीय नीतियों को लागू किया है और स्वच्छता को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश स्थापित किए हैं। उन्होंने सार्वजनिक शौचालयों और अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ शहरों में विशिष्ट स्वच्छता संबंधी रणनीतियां तैयार की हैं। साथ ही, नगरपालिका कर्मचारियों और सफ़ाई कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण में भी निवेश किया गया है। राज्यों ने निरंतर प्रगति को ट्रैक करने और उसके आवश्यक समायोजन के लिए मजबूत निगरानी और मूल्यांकन तंत्र के साथ स्तर को बेहतर बनाया है, और स्वच्छ सर्वेक्षण का एक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। विभिन्न क्षेत्रों के साथ सहयोग करके, मिशन ने स्थानीय निकायों, गैर सरकारी संगठनों और नागरिकों को एक साझा लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करने के लिए सशक्त बनाया है। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप पर जोर देने के साथ-साथ संसाधन जुटाने और तकनीकी क्षेत्र में इनोवेशन प्रोसेस को आसान बनाया गया है, जिससे स्वच्छता संबंधी समाधान अधिक सुलभ और स्थायी बन गए हैं। इसके अतिरिक्त, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर जैसी पहल हमारे स्वच्छता नायकों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान करती हैं और उनको मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाती हैं, जो सामुदायिक स्वास्थ्य की दिशा में भी मिशन के व्यापक दृष्टिकोण पर जोर देती हैं। यह सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण है कि स्वच्छता सेवाएं, समाज के बेहद पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए भी समावेशी एवं न्यायसंगत हों और एसबीएम ने यह काम सफलतापूर्वक किया है। इसी तरह के उदाहरणों में से एक है, जिसे मैंने भी करीब से देखा है और यह छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में हुआ है। एक विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन योजना के साथ लगभग 200,000 निवासियों वाले इस शहर ने लैंडफिल पर जाने वाले कचरे को प्रभावी रूप से घटाने का काम किया है और स्रोत पर ही इसके लिए विशेष प्रबंध किया गया है, जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी प्राप्त हुई है। इस सफलता का एक प्रमुख हिस्सा 470 सफाईकर्मियों का एक समर्पित समूह है, जो शहर में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक प्रशिक्षित सजग महिलाओं का एक समूह है। उनके प्रयासों से अंबिकापुर नगर पालिका को न केवल राजस्व अर्जित करने में सफलता मिली है, बल्कि उस राजस्व को पुन: सामुदायिक सेवाओं में निवेश करने में भी मदद मिली है, जिससे समावेशी रणनीतियों के सामाजिक-आर्थिक लाभ भी दिखाई दिए हैं। अंबिकापुर में महिलाएं कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया को संचालित करती हैं।

एक भारत श्रेष्ठ भारत:भारतीय फिल्मों की एकसूत्र में बांधने की शक्ति

■ अश्विनी वैष्णव, केन्द्रीय सूचना और प्रसारण, रेलवे तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

प्रख्यात फिल्म निर्माता सत्यजीत रे ने लोगों को एकसूत्र में बांधने की सिनेमा की शक्ति के सार को पकड़ते हुए कहा था, सिनेमा एक सार्वभौमिक भाषा

बोलता है। अपनी व्यापक भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता के साथ, भारतीय सिनेमा देश के हरेक कोने के लोगों को एक साथ लाता है जिससे उन्हें एक जैसी भावनाओं एवं अनुभवों को साझा करने का मौका मिलता है। चाहे वह तमिल नाटक हो या हिंदी की अति लोकप्रिय फिल्म या फिर विशुद्ध मराठी फिल्म, सिनेमा हमारे बीच की खाई को पाटते और हमें 'सभी मतभेदों के बावजूद, हम एक हैं' की याद दिलाते हुए अपनेपन की गहरी भावना को बढ़ावा देता है। भारतीय सिनेमा की सार्वभौमिकता क्षेत्रीय एवं भाषाई सीमाओं के परे जाने की इसकी क्षमता में निहित है, जो इसे राष्ट्रीय एकता की एक मजबूत शक्ति बनाती है। राज कपूर की 'श्री 420' जैसी शास्त्रीय फिल्म से लेकर मणिरत्नम की 'रोजा' तक भारतीय फिल्में भावनाओं की भाषा बोलती हैं, जिसे हर कोई समझता है। 'श्री 420' की गूंज जहां सभी भाषाओं में सुनाई दी, वहीं 'रोजा' को देशव्यापी प्रशंसा मिली। एम.एस. सथ्यू की 'गरम हवा' और बिमल रॉय की 'दो बीघा ज़मीन' जैसी फिल्में हमें याद यह दिलाती हैं कि संघर्ष, प्रेम एवं जीत की कहानियां किसी सीमा से बंधी नहीं हैं और यह साबित करती हैं कि सिनेमा सही अर्थों में देश में एक बंधनकारी शक्ति है। यह सिनेमा की सार्वभौमिकता ही है, जिसका उत्सव राष्ट्रपति द्वारा सर्वश्रेष्ठ फिल्मों, सर्वश्रेष्ठ निर्देशकों और सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से सम्मानित किए जाने के साथ हर वर्ष मनाया जाता है। यह आंखों को चकाचौंध कर देने वाला एवं बेतहाशा आकर्षण पैदा करने वाला कार्यक्रम नहीं है, जो आमतौर पर ऐसे अन्य अवसरों पर आयोजित किए जाते हैं। यह प्रतिभा - कहानीकारों, कहानी कहने वालों और कहानी प्रस्तुत करने वालों की प्रतिभा - की एक गरिमापूर्ण स्वीकृति है। यह भारत की भाषाओं और बोलियों की बहु-भव्य एवं बहुरंगी विविधता की भी एक गरिमामयी पुष्टि है, जो एक साथ मिलकर इस महान राष्ट्र की एकता का जादुई ताना-बाना बुनती है और लगभग डेढ़ बिलियन वैसे लोगों को सूत्रबद्ध करती है जो सैकड़ों भाषाएं एवं उनसे संबद्ध बोलियां बोलते हैं। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की विशिष्टता इस तथ्य से स्पष्ट होती है कि सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार पाने वालों में तिवा भाषा में बनी फिल्म 'सिकैसल' (काश सिर्फ पेड़ ही बोल पाते) शामिल है। यह तिवा लोगों, जो एक तिब्बती-बर्मी जातीय समूह के सदस्य है, की भाषा है। इस समूह के सदस्य भारत के उत्तर-पूर्व और बांग्लादेश एवं म्यांमार में पाए जाते हैं। 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के लिए सरकार को फीचर फिल्म की श्रेणी में 32 विभिन्न भाषाओं की 309 फिल्में और गैर-फीचर श्रेणी में 17 भाषाओं की 128 फिल्में प्राप्त हुईं। फीचर फिल्म की श्रेणी में, स्वर्ण कमल पुरस्कार चार भारतीय भाषाओं की फिल्मों ने जीता। इनमें से एक फिल्म हरियाणवी भाषा में थी। इस श्रेणी में हिंदी और तमिल भाषा की पांच-पांच फिल्मों ने रजत कमल पुरस्कार जीता। साथ ही मलयालम, गुजराती, कन्नड़, हरियाणवी और बंगला भाषा की फिल्मों ने भी पुरस्कार जीता। भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं की दस फिल्मों को भी रजत कमल पुरस्कार प्रदान किया गया। हिंदी और उर्दू में रिलीज़ हुई एक फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ गैर- फीचर फिल्म श्रेणी का स्वर्ण कमल पुरस्कार जीता। भाषाई राजनीति के शून्यवादी (नाइलीस्ट) चाहे जो भी तर्क दें, लेकिन तथ्य यह है कि भाषाई राज्यों के साथ भारतीय गणराज्य के निर्माण के लगभग 75 वर्ष बीत जाने के बाद अतीत की बाधाएं पिछले कुछ दशकों के दौरान काफी हद तक समाप्त हो गई हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बॉलीवुड की फिल्मों ने हिंदी को व्यापक रूप से स्वीकार्य बना दिया है। लेकिन यह भारतीय समाज के विविध पहलुओं पर फिल्मों का केवल एक बड़ा प्रभाव है। इसका दूसरा सबसे बड़ा प्रभाव 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की विविधता में एकता की एक गहरी एवं स्थायी भावना को बढ़ावा देते हुए लोगों को 'अन्य' भाषाई समूहों एवं पहचानों के बारे में जागरूक करना है। भारतीय सिनेमा के संदर्भ में, तो यह एक नारे से कहीं बढ़कर है। यह सही है कि इसके अति प्रयोग ने इसकी गरिमा को धूमिल किया है। भारतीय सिनेमा अकल्पनीय रूप से उन रचनाकारों के व्यापक समुदाय की कलाओं को प्रदर्शित करती है जो विविध प्रकार की राजनीति, समाजों एवं संस्कृतियों के बीच सार्वभौमिक मान्यताओं तथा उस निर्विवाद चीज, जिसे हम एक इकाई के तौर पर लोगों के रूप में तथा लोगों को एक राष्ट्र के रूप में बांधने वाली नैतिकता एवं नैतिक मूल्य कहते हैं, पर आधारित जादुई मनोरंजन का सृजन करने के लिए अपनी प्रतिभा को एक साथ लाते हैं। वास्तव में, कोई भी भारतीय कहानी उन सार्वभौमिक तत्वों के बिना कभी नहीं कही गई है जो रीति, मूल्यों और नैतिकता पर जोर न देती हों और जिन्हें केवल फिल्म निर्माताओं और दर्शकों की पारखी दृष्टि ही समझ सकती हैं। अब तक सुनाई गई दो सबसे बड़ी कहानियां - रामायण और महाभारत - इस तथ्य की पुष्टि करती हैं। हमारे सिनेमा का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू वह सहजता है जिसके साथ हमारे फिल्म निर्माता सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विघटन के मूल में मौजूद विभाजनकारी चिन्हों को मिटा देते हैं। यही भारत की कहानी कहने की कला की अनूठी ताकत भी है। चाहे वह कला फिल्में हों, लोकप्रिय फिल्में हों, व्यावसायिक फिल्में हों या आधुनिक समय की चुनौती देने वाली ओटीटी फिल्में हों, हम एक साथ प्रभावित होते हैं, हम एक साथ तालियां बजाते हैं और हम एक साथ उत्सव मनाते हैं। तेलुगु भाषा की संगीतमय फिल्म 'आरआरआर' का गाना 'नाटू नाटू', जिसने ऑस्कर और गोल्डन ग्लोब जीता है, भाषा, जातीयता और राष्ट्रीयता के बंधनों से परे जाकर न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में सुपरहिट साबित हुआ। भारतीय सिनेमा को वैश्विक मंच पर ऊंचा उठाने के लिए, सरकार तीन मुख्य स्तंभों पर ध्यान केन्द्रित कर रही है: प्रतिभा की एक मजबूत पाइपलाइन विकसित करना, फिल्म निर्माताओं के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाना और कहानीकारों को सशक्त बनाने के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाना। सरकार ने हाल ही में भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) की स्थापना की घोषणा की है, जो रचनात्मकता को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। और यह सुनिश्चित करता है कि भारतीय सिनेमा फिल्म निर्माण की नवीनतम तकनीकों, तल्लीन कर देने वाले अनुभवों और संवादात्मक मनोरंजन को अपनाने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकीकरण एवं वैश्विक मनोरंजन के क्षेत्र में एक मजबूत शक्ति बना रहे। जब हम भविष्य की ओर देखते हैं, 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विचार के संदर्भ में सिनेमा की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। तेजी से विकसित हो रही दुनिया में, भारतीय सिनेमा लगातार नवप्रवर्तन करते हुए अपने क्षितिज का विस्तार कर रहा है और ऐसी कहानियां कह रहा है जो न केवल हमारी विविधता को दर्शाती हैं बल्कि एक साझा भविष्य की कल्पना भी करती हैं। हर फ्रेम के साथ, भारतीय फिल्म निर्माता यह सुनिश्चित करते हुए कहानी कहने की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं कि सिनेमा एक सूत्रबद्ध एवं दूरदर्शी भारत में एकता और प्रगति का एक शक्तिशाली उत्प्रेरक बना रहे।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

प्रतिभास्थली बालिकाओं को स्कूल बैग वितरित

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ डोंगरगढ़ की सभी बालिकाओं को बाल ब्रह्मचारी नितिन भैया जी एवं बाल ब्रह्मचारी दीपक भैया जी एवं चंद्रगिरी तीर्थ क्षेत्र अध्यक्ष सेठ सिंघई श्री किशोर जैन कोषाअध्यक्ष श्री सुभाष जैन सरस्वती शिशु मन्दिर प्राचार्य श्री प्रकाश यादव एवं वैष्णव जी (बाल ब्रह्मचारी नितिन भैया जी) के द्वारा बालिकाओं को गत दिवस स्कूल बैग प्रदान किए गए। चंद्रगिरि तीर्थ ट्रस्ट एवं प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ द्वारा बाल ब्रह्मचारी नितिन भैया जी के लिए बहुत-बहुत अनुमोदना व्यक्त की गई।

णमोकार महामंत्र का अवलंबन ही सच्चे सुखों खजाना है विज्ञमति माताजी

एटा (विश्व परिवार)। 15 दिवसीय णमोकार महामंत्र अखंड पाठ में 14वें दिन पुरानी बस्ती स्थित बड़े मंदिर जी में विमर्श महिला जागृति मंच द्वारा गुरु मां को सुसज्जित अर्घ समर्पित कर माताजी के स्वास्थ्य लाभ की कामना की वहीं सुंदर भावपूर्ण नृत्य की प्रस्तुति सदस्याओं द्वारा दी गई भारत गौरव आर्यिका, श्री विशुद्ध मती माताजी ने मंत्रोच्चार पूर्वक वृहद शांति धारा संपन्न कराई। प्रज्ञा पद्मिनी पट्ट गणिनी आर्यिका श्री विज्ञमती माताजी ने बताया सन 2000 में पूज्य गुरु माता जी एक गंभीर बीमारी से ग्रसित हो गई थी उन्होंने णमोकार मंत्र का अवलंबन लिया काफी इलाज के पश्चात रोग का निदान नहीं मिल रहा था, एक बार राजस्थान में स्थित तीर्थ क्षेत्र महावीर जी में ध्यान मुद्रा में लीन थी तभी एक दिव्य अलौकिक शक्ति ने उन्हें इस रोग का महा उपाय अखंड णमोकार महामंत्र अनुष्ठान के माध्यम से रोग दूर करने का उपाय बताया तीर्थ क्षेत्र में यह संभव नहीं था इसीलिए उन्होंने बताए हुए नियमों का अक्षरश: पूर्ण मनोयोग से पालन करते हुए संघस्थ आर्यिका माताजी एवं ब्रह्मचारिणी बहनों द्वारा एटा वर्षायोग 2000 में इस णमोकार महामंत्र अनुष्ठान का शुभारंभ किया।

वे विरली माताएं होती हैं जो सुसंतान, महापुरुषों तथा तीर्थंकरों को जन्म देती हैं : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

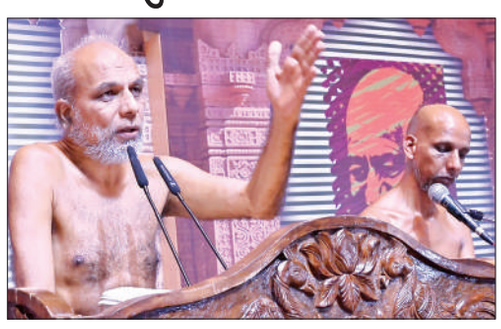

इंदौर (विश्व परिवार)। संतान को जन्म देने का सौभाग्य हर किसी को नहीं मिलता, विरली माताएं होती हैं जो सुसंतान, महापुरुषों तथा तीर्थंकरों को जन्म देती हैं। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने भक्तामर स्त्रोत्र में छुपे रहस्यों की व्याख्या करते हुये व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा कि आज सैकड़ों माताओं द्वारा सैकड़ों संतानों को नित्य जन्म देती हैं लेकिन ऐसी कितनी माताऐं है जिन्होंने गर्भ धारण से लेकर संतान के जन्म होंने तक अपने आप को संयम से विताया उन्होंने कहा कि भले ही संतान की पहचान पिता से हुआ करती हैं, लेकिन उसके व्यक्तित्व के विकास में मां का बहूत बड़ा योगदान रहता है, जिनको मां रुपी धरती का संरक्षण मिल जाता है वह बीज पल्लवित हो जाते है और जिन बच्चों को मां का संरक्षण नहीं मिल पाता है वह बच्चे विकास को प्राप्त न होकर असमय में काल कल्वित हो जाते है। मां की महिमा बताते हुये कहा कि हमारे देश में मां का नाम पहले लिया जाता है पिता का नाम बाद में आता है, उन्होंने कहा कि कुरल काव्य में कहा है कि जैसे भूमी की उर्वरता का पता उसमें बोये गये बीज से पता पड़ता है बैसे ही संतान के आचरण से उसके माता पिता तथा कुल का पता चल जाता है। जंहा एक और मां सु संतान की जन्मदात्री है, जीवन निर्मात्री हे, तथा संस्कार दायनी है, वंही यदि संतान की देख रेख और मातृत्व के अभाव में अनेक प्रकार की समस्यायें जन्म लेती है, उन्होंने कहा कि जब तीर्थंकर प्रभु का जन्म होता है तो गर्भ धारण से लेकर पूरे नौ माह तक देवियाँ माता की सेबा करती है, पहले के लोग जानते थे कि मां जितनी प्रसन्न रहेगी संतान भी उतनी प्रसन्न होगी, मां में जितना उल्लास और पराक्रम होगा संतान भी उतनी उल्लसित और पराक्रमी होगी, उन्होंने कहा कि मां के भाव का प्रभाव पेट में पलने बाली संतान पर पड़ता है इस बात को विज्ञान ने भी सिद्ध कर दिया है, मां के गर्भ में पलने बाली संतान का सम्बाद मां से रहता है।उन्होंने सभी माताओं को सम्वोधित करते हुये कहा कि नौ माह पर्यन्त तक अपना जीवन पूरा संयम से बिताऐ तथा अपना पूरा समय महापुरुषों की गाथाओं को सुनने, तथा प्रतिदिन भावनायोग के माध्यम स्वस्थ और निरोग संतान को इस धरती पर लाऐं, लेकिन आजकल की नई पीड़ी तो इसे प्रमुखता देती ही नहीं इसीलिये तो शारिरिक विकृतिओं के साथ बच्चे जन्म ले रहे है? इसकी सबसे अधिक जबाबदारी उन मां बाप की है जिन्होंने गर्भ धारण के पश्चात संयम को धारण नहीं किया, यदि गर्भ धारण से ही संयम का पालन और संतान को सु संस्कार दिये जाऐं तो इस प्रकार की विकृतिओं से बचा जा सकता है। **-अविनाश जैन**

चर्या शिरोमणी दिगम्बर जैनाचार्य श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव ने कहा- ज्ञान अमृत के समान है

नांदणी (विश्व परिवार)। चर्या शिरोमणी दिगम्बर जैन आचार्य श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव ने नांदणी मे धर्मसमा को सम्बोधित करते हुए कहा कि अंतिम तिर्थेश वर्धमान स्वामी के शासन में हम सभी विराजते हैं। तीर्थंकर भगवान की पीयूष देशना जिनेंद्रवाणी जगतकल्याणी है। यह सर्वज्ञशासन, नमोस्तुशासन जयवन्त हो। जयवन्त हो वितरागी श्रमणसंस्कृती। जैन दर्शन में ज्ञान संज्ञा उसी की है जिससे तत्वों का बोध हो, चित्त का निरोध हो, जिससे आत्मा विशुद्ध हो। ज्ञान का उद्देश्य मात्र अक्षर-ज्ञान नहीं है, अपितु ज्ञान आत्म-कल्याण का हेतु बने और हो सके तो पर का पथ-प्रदर्शक बने। जिस ज्ञान से दु:खों से मुक्ति हो, जिससे आत्मा के स्वभावभूत शुद्ध स्वरूप का साक्षात्कार हो वही ज्ञान सम्यक्-ज्ञान है। सम्यकदर्शन के बिना ज्ञान नहीं, ज्ञान के बिना चारित्रगुण नही और चारित्र के बिना निर्वाण नहीं। ज्ञान बिना सब शून्य है। क्रियाशून्य ज्ञान व्यर्थ है, अज्ञानी की क्रिया व्यर्थ है। वहीं ज्ञान कल्याणकारी है जिससे चरित्र की शुद्धि, आचरण की शुद्धि, आत्म जागृति हो। वात्सल्य, करुणा, दया, क्षमा, धैर्यादि गुणों की प्राप्ति हो। वहीं ज्ञान-ज्ञान है शेश अज्ञान है। धीर, वीर, गंभीर, आचारवान, अनुशासनशील, विनयी, उत्साही, शमावान, सत्य प्रिय ही ज्ञान की प्राप्ति कर सकता है। क्रोधी, चुगलखोर, संकलेश करने वाला, इन्द्रिय लोलुपी, चारित्र हीन, विचार-विहीन, अनुशासन शून्य मायावी मनुष्य सत्य ज्ञान को प्राप्त नहीं कर सकता है। ज्ञान अमृत के समान है, अज्ञान विष है। ज्ञान प्रकाश है, अज्ञान अंधकार है। ज्ञान सुख का कारण है, अज्ञान ही दु:ख है। ज्ञान मुक्ति पथ का प्रेरक है, अज्ञान कर्म- बंध में सहायक है।

हे ज्ञानधन चेतन्य भगवानात्मा। ज्ञान की ओर दृष्टिपात करो। आत्मकल्याण में परोपकारी ज्ञान को प्राप्त करो। यदि समीचीन ज्ञान को प्राप्त करना है तो ज्ञान के सागर दिगम्बर आचार्य भगवन्त, धरती के देवता मुनिराज, ज्ञान प्रदाता उपाध्याय- पाठक परमेष्टी की श्रद्धापूर्वक शीघ्रातिशीघ्र शरण प्राप्त कर। हे जीवात्मा! ज्ञान के समान उपकारी संसार में अन्य कोई समीचीन कारण नहीं है। ज्ञान से शून्य कोटि-कोटि वर्षों तक किया गया तप भी कल्याणकारी नहीं है। ज्ञान पूर्वक शन मात्र की गई साधना भी सिद्धत्व की ओर प्रमाण है। शास्वत सुख की चाह है, तो हे भव्य आत्मा! सम्यक् ज्ञान की निधि प्राप्त कर। ज्ञान वह रत्न है जो श्रद्धा सम्यक्त्व और चारित्र को चमक प्रदान करता है। सम्यक-ज्ञान ही आनन्द है। **-अभिषेक अशोक पाटील**

स्वाध्याय से धर्म को समझा जाता है धर्म ही शरण है धर्म से, स्वाध्याय से ज्ञान में वृद्धि होती है : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

पारसोला (विश्व परिवार)। आचार्य श्री वर्धमान सागर की सन्मति भवन में विराजित है आज आयोजित धर्म सभा में आचार्य श्री ने अपनी देशना में बताया कि 19, 20 और 21वीं सदी प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी के नाम से जानी जाएगी क्योंकि सातगौड़ा जी को धर्ममय माता के संस्कार प्राप्त हुए जब सात गौड़ा माताजी के गर्भ में आए तब माता की इच्छा 108 कमल पुष्पों से पूजन करने की हुई। संतान को धार्मिक संस्कार देने में माता-पिता का योगदान होता है और ऐसे मानव सुखी होते हैं माता सत्यवती नाम के अनुरूप सत्यवान थी, और पिता भीम गोंडा जी भी बलशाली शक्तिशाली थे। हमने चातुर्मास स्थापना के तीन महीने पूर्ण पारसोला वर्षायोग की घोषणा की थी और यह चातुर्मास और आचार्य पदप्रतिष्ठापन शताब्दी महोत्सव इस धरती का पुण्य है क्योंकि यहां पर प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी महाराज ने भी दो दिन का प्रवास पारसोला में किया था। आचार्य पद प्रतिष्ठापना महोत्सव मुनि कुल के पितामह का कार्यक्रम है, चारित्र चक्रवर्ती एकमात्र शांति सागर जी महाराज ही है और एक ही रहेंगे क्योंकि उन्होंने चारित्र के 6 खंडो पर विजय प्राप्त कर जीवन को प्रयोगशाला बनाया उन्होंने धर्म, मंदिर, जिनवाणी, संस्कृति का संरक्षण कर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने की प्रेरणा दी। आचार्य श्री ने बताया कि मिथ्यात्व अज्ञानता और समिचिन ज्ञान के अभाव में होता है।और संसार में इसी कारण प्राणी भ्रमण कर रहे हैं शरीर और आत्मा को आप लोग एक मानते हैं जबकि शरीर पुदगल है और आत्मा द्रव्य है शरीर और आत्मा पृथक पृथक भिन्न है आत्मा अजर अमर है आचार्य शांति सागर जी ने उपसर्ग को निर्भय होकर समता और आस्था से जीवन में सहन किया। आचार्य श्री ने बताया कि धर्म ही शरण है स्वाध्याय से धर्म को समझा जाता है और इससे ज्ञान में वृद्धि होती है। ब्रह्मचारी गज्जू भैया एवं राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य प्रतिस्थापन शताब्दी महोत्सव में शामिल होने के लिए आचार्य श्री के शिष्य मुनि अपूर्व सागर अर्पित सागर जी सलूंबर से बिहार कर आज प्रात: 16 पहुंचे समाज ने एवं साधु संघ ने उनकी अगवानी की ऋषभ पचोरी, जयंतीलाल कोठारी, प्रवीण जैन अनुसार धर्म सभा में आचार्य शांति सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन पंडित हंसमुखजी जी शास्त्री घरियाबाद एवं घरियाबाद, सलूंबर से आए अतिथियों एवं समिति के पदाधिकारी ने कर आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन किया।महिला मंडल द्वारा जिनवाणी भेंट की गई। आचार्य श्री के प्रवचन के पूर्व आर्यिका देशनामति एवं मुनि अपूर्व सागर जी ने आचार्य श्री का गुणानुवाद किया। आगामी 11 अक्टूबर को मुनि श्री पुण्य सागर जी का 18 साधुओं सहित पारसोलाक्षभव्य मंगल प्रवेश होगा। सुमतिधाम इंदौर के प्रमुख ट्रस्टी मनीष गोधा एवं श्रीमती सपना गोधा ने ब्रह्मचारी पीयूष भैया तथा प्रसिद्ध उद्योगपति हंसमुख गांधी इंदौर के साथ पारसोला पहुंचकर आचार्य विशुद्ध सागर जी का पट्टाचार्य कार्यक्रम में आचार्य वर्धमान सागर जी को संघ सहित पधारने हेतु सविनय आमंत्रण कर श्रीफल भेंट किया। स्थानीय समाज द्वारा इंदौर से पधारे अतिथियों का शाल श्रीफल के साथ सम्मान किया।

श्रुतसंवेगी श्रमणरत्न मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज संघ के सानिध्य में श्री ऋषभदेव दिगम्बर जैन मंदिर कुन्दकुन्द टाउनशिप में भव्य शिलान्यास, समारोह 15 अक्टूबर को

कोटा (विश्व परिवार)। कोटा में महती धर्म प्रभावना हो रही है जिसकी चर्चा सब जगह है। वहीं कोटा के इतिहास मे एक नया इतिहास लिखा जाना है। आचार्य गुरुदेव विद्यासागर महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद ओर श्रुतसंवेगी श्रमणरत्न मुनिश्री 108 आदित्य सागर जी महाराज एवम मुनिश्री 108 सहजसागर जी महाराज के पावन सानिध्य मे दिनांक- 15 अक्टूबर 2024, मंगलवार को श्री 1008 ऋषभदेव दिगम्बर जैन मन्दिरकुन्दकुन्द टाउनशिप, नान्ता मैन रोड़, कोटा (राज.) भव्य शिलान्यास, समारोह होने जा रहा है।

जानकारी देते हुए 'कुन्द कुन्द टाउनशिप कॉलोनाइजर एवं डेवलपर' श्री प्रसन्न जैन एवं श्री राजकुमार जैन 'बाबरिया' ने बताया यह पुण्य का बहुत ही स्वर्णिम अवसर है जो हमे ऐसे पावन मुनिसंघ का सानिध्य प्राप्त हो रहा है। उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया की मंदिर का

मुख्य शिलान्यास श्रीमती कमला जैन,एवम 'बाबरिया' परिवार बनियानी वाले क्र-38, वल्लभनगर, कोटा, के कर कमलो से सम्पन्न होगा एवम शिलान्यास के अगले दिन से हे भव्य मंदिर निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

विस्तृत जानकारी देते हुए बताया की आयोजन के मुख्य अतिथि श्रीमान हुकुम जैन 'काका' एवं ध्वजारोहण श्रीमान राकेश जैन 'मडिया' के कर कमलो से सम्पन्न होगा। आयोजन के क्रम में चित्र अनावरण श्री विमल जैन 'नान्ता' एवं श्री अशोक सांवला करेंगे। आयोजन की इस विशाल श्रंखला में दीप प्रज्वलन जम्बू सेठिया, सुरेश हरसोरा के द्वारा सम्पन्न होगा एवं महाराज श्री संघ के कर कमलो में शास्त्र भेट श्रीमान सुरेशचंद जैन, लाभचंद पटवारी एवं सुरेशचंद जैन सिद्धार्थ बाबरिया 'दोतड़ा वाले' (रामगंजमंडी) करेंगे। महाराज श्री संघ के पाद प्रक्षालन का परम सोभाग्य श्रीमान प्रेमचंद सेठिया, श्रीमान सुभाष ठाई, श्री रोहित खटोड को प्राप्त होगा। इस आयोजन का कुशल संयोजन श्रीमती कमला जैन एवं 'बाबरिया' परिवार B-38, वल्लभ नगर, (कुंदकुंद परिवार), कोटा, द्वारा किया जाएगा। आयोजन क्रम मे सर्वप्रथम मंगल प्रवचन-भूमि पूजन एवं शिलान्यास होगा। समस्त क्रियाओं को विधि विधान के साथ श्रीमान प्रदीप जैन शास्त्री ललितपुर करेंगे। शुभारंभ सुबह 8 बजे से होगा। सभी धर्म प्रेमी बंधुओ का आयोजन पूर्ण होने के बाद वात्सल्य भोज होगा इस आयोजन के आयोजन कर्ता श्री 1008 ऋषभदेव दि. जैन मन्दिर समिति, कुंद कुंद टाउनशिप, नान्ता मैन रोड़, कोटा हैं मिली जानकारी अनुसार आगामी भविष्य में इस क्षेत्र पर संत निवास बनाया जाएगा। सकल दिगंबर जैन समाज ने सभी से निवेदन किया है। **-अभिषेक जैन लुहाड़ीया**

एमजी रोड स्थित श्री जैन दादाबाड़ी में श्री विराग मुनि के विशेष प्रवचन

चाहे खुद के साथ बुरा हो जाए, फिर भी दूसरों का अच्छा करना, यही महान गुण : श्री विराग मुनि जी

रायपुर (विश्व परिवार)। केवल फोटो लगाकर पूजा-आरती करने या माला फेरने से अरिहंत परमात्मा की पूजा नहीं हो जाती। परमात्मा के पात्र को भी समझना होगा। भगवान महावीर के कई महान गुणों में एक परोपकार था। परोपकार का मतलब ये नहीं कि अनुकूल परिस्थिति में ही किसी का भला करें। वास्तव में परोपकार वो है कि खुद के साथ बुरा हो जाए, फिर भी दूसरों का अच्छा करो।

एमजी रोड स्थित श्री जैन दादाबाड़ी में उपधान तप के अंतर्गत जारी विशेष प्रवचन श्रृंखला में बुधवार को श्री विराग मुनि ने ये बातें कही। दादाबाड़ी में बुधवार से शुरू हुई नवपद ओली जी की आराधना के अंतर्गत वे पहले 'देव' पद के बारे में बताते हुए उन्होंने ये बातें कही। आगे उन्होंने कहा, अरिहंत परमात्मा वो हैं जो अपकारी पर भी उपकार करते हैं। कहने का आशय ये है कि आप जितनी ज्यादा किसी की सहायता कर सकते हैं, उतनी ज्यादा करने की कोशिश करें। इसी तरह परमात्मा के और भी गुण हैं। जब हम उन गुणों को आत्मसात कर लेते हैं या करने की कोशिश करते हैं, तब कहीं हम परमात्मा की साधना-आराधना करने के काबिल बनते हैं। परमात्मा के संदेशों को 2 लाइन में समझाते हुए मुनि महाराज ने कहा, दूसरों को दुखी देखो तो उनके दुख का अनुभव करो। सोचो कि उनका क्या होगा? यथासंभव उनकी मदद करो। खुद पर दुख आए तो सोचो कि अगर मैं दुखी ही रहा तो मेरा क्या होगा? इन 2 बातों पर अमल करते हुए ही आप अपने जीवन को काफी हद तक सही दिशा में ले जा सकते हैं। मुनिश्री ने कहा कि संसार एक ऐसा हॉस्पिटल है, जहां एक दूसरे को सुधारने में लगा रहता है। एक-दूसरे की गलती निकालने में लगे रहते हैं। बाप बेटे की, पति अपनी पत्नी की, भाई-भाई एक-दूसरे की गलती निकाल रहे हैं। सबको एक दूसरे से शिकायत है। इन सबकी वजह है अपेक्षा। आप किसी से अपेक्षा नहीं रखेंगे तो आपको दुख भी नहीं होगा। न आपको किसी से शिकायत रह जाएगी। **-गौरव शर्मा**

सहकारिता मंत्री 'सहकार से समृद्धि' एक दिवसीय कार्यशाला में हुए शामिल

केदार कश्यप ने की विभागीय समीक्षा, छत्तीसगढ़ में 4 नवीन जिला सहकारी बैंक के गठन की प्रक्रिया प्रारंम्भ

राज्य के 8.36 लाख से अधिक किसानों को रूपे किसान क्रेडिट कार्ड जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। वन एवं जलवायु परिवर्तन, जलसंसाधन, कौशल विकास और सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप आज सिविल लाईन रायपुर स्थित न्यू-सर्किट हाउस, मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में 'सहकार से समृद्धि' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में शामिल हुए। कार्यशाला में केंद्र सरकार, सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'सहकार से समृद्धि' विषय पर की गई पहल के अंतर्गत राज्य में किए जा रहे विभिन्न कार्यों के विषयों पर आयोजित की गई। गौरतलब है कि सहकारी बैंक द्वारा 8 लाख 36 हजार 597 किसानों को रूपे किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गए। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री श्री कश्यप ने 5 किसानों को प्रतिकात्मक रूप से रूपे किसान क्रेडिट कार्ड और श्रीमती नीलम चौहान को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

विभागीय समीक्षा बैठक में सहकारिता मंत्री श्री कश्यप ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी 6 माह में 2000 पैक्स, मछुआ समिति, लघुवनोपज समिति तथा दुग्ध समितियों का गठन किया जाना है। इसके लिए मल्टी फंक्शनल सोसाइटियों के मॉडल बायलॉज तथा समयबद्ध कार्ययोजना बनाई जाए। अधिकारियों ने बताया कि विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भण्डारण योजना अंतर्गत भारत सरकार द्वारा आरआईडीएफ के तहत 200 मीट्रिक टन क्षमता के 725 पैक्स गोदामों में से 587 गोदाम निर्माण पूर्ण हो चुका है। शेष गोदामों का निर्माण नवंबर माह तक पूर्ण करा लिया जाएगा, इससे छत्तीसगढ़ में 1.45 लाख मीट्रिक टन भंडारण क्षमता में वृद्धि होगी। सहकारिता मंत्री ने मछुआ सहकारी समितियों की नीतियों में सुधार के लिए निर्देशित किया कि छत्तीसगढ़ के मछुवारों को मछली विक्रय का लाभ सीधे मिल सके एवं उनका हित सुरक्षित रहे। छत्तीसगढ़ में सहकारी समितियों के अधीन 42 प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र अक्टूबर माह के अंत तक खोलने के निर्देश दिए, जिससे लोगों को सस्ती जेनेरिक दवाई मिल सकेगी। बैठक में अम्बिकापुर तथा जगदलपुर के सभी पैक्स में माइक्रो एटीएम को एक्टिव रखने कहा गया। जिससे आगामी धान खरीदी में किसानों को राशि आहरण में सुविधा हो। डेयरी समितियों तथा मछुआ समितियों को माइक्रो एटीएम दिया जाए।

सहकारिता मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि पैक्स कंप्यूटराईजेशन मॉड्यूल किसानों के लिए उपयोगी होना चाहिए। मनेन्द्रगढ़, कोरिया, कोंडागांव, सरगुजा, सारगढ़ तथा बलौदाबाजार जिले के पैक्स कंप्यूटराईजेशन की प्रक्रिया में तेजी लाने कहा गया। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि रिजर्व बैंक तथा नाबार्ड के मापदंडों का अनुपालन करते हुए छत्तीसगढ़ में चार नवीन जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के गठन की प्रक्रिया आरम्भ कर दी गई है।

हरियाणा में भाजपा की हैट्रिक, दूरदर्शी नेतृत्व, समावेशी राजनीति और जनकल्याण के प्रति दृढ़ संकल्प की जीत है : भावना बोहरा

रायपुर (विश्व परिवार)। हरियाणा और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया। हरियाणा विधानसभा में पूर्ण बहुमत के साथ जितने और जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद हुए पहले विधानसभा चुनाव में भाजपा को अपार समर्थन मिला है। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने हरियाणा में भाजपा की जीत और जम्मू कश्मीर में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.पी.नड्डा जी, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी और समस्त भाजपा के कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने हरियाणा और जम्मू कश्मीर की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा में भाजपा की ऐतिहासिक जीत और जम्मू कश्मीर में भाजपा को मिले अपार जनसमर्थन, भारतीय जनता पार्टी की समावेशी राजनीति और जनकल्याण के प्रति दृढ़ संकल्प की जीत है। यह जीत भारतीय जनता पार्टी के उन सभी कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं को समर्पित हैं जिन्होंने पार्टी के प्रति दिन रात एक करके कड़ी मेहनत की। हरियाणा में 90 में 48 सीटों पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही तो वहीं जम्मू कश्मीर में भी भाजपा ने बेहतर प्रदर्शन किया है। यह सभी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की कुशल नीतियों और योजनाओं से संभव हुआ है।

भावना बोहरा ने आगे कहा कि भाजपा की रीती ही राष्ट्र प्रथम की नीति है और प्रधानमंत्री जी के पिछले 10 से अधिक वर्षों के कार्यकाल में जनता ने इसे देखा है। एक समय था जब केवल योजनाएं बनाई जाती थी लेकिन वो कागजों तक सिमित रहती थी, लेकिन आज प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देशवासियों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है, हमारा देश विकसित भारत के पथ पर अग्रसर हो रहा है। हरियाणा की जनता ने भी भाजपा की इसी नीति, विकास कार्यों और जमीनी स्तर पर योजनाओं का लाभ मिलने एवं भाजपा के प्रति विश्वास जताते हुए अपना जनाधार दिया और हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाई। विपक्षियों ने कई आरोप-प्रत्यारोप लगाएं लेकिन भाजपा ने हमेशा सत्य के साथ अपने सिद्धांतों पर अमल किया, हरियाणा की जनता से जो वादा किया गया वो भाजपा ने पूरा किया, यही वजह है की हरियाणा के इतिहास में आज तक किसी भी अन्य पार्टी की तुलना में भाजपा ने लगातार तीसरी बार सरकार बनाई है।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 489 दिनांक 09.10.2024
वार्ड का नाम- डॉ. राधकृष्णन वार्ड
वार्ड क्र. 22 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 22 मांग **पंजी क्र. 119 युआईडी 23273** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **संतोष सिंह बनाफर / हरि सिंह बनाफर** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **चंदन सिंह / हरि सिंह बनाफर** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **08-11-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

www.vishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@yahoo.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर गुरूवार 10 अक्टूबर 2024

संक्षिप्त समाचार

रानीडोंगरी बना हर घर जल प्रमाणित ग्राम

कांकेर(विश्व परिवार)। चारामा विकासखण्ड के ग्राम रानीडोंगरी में ग्राम पंचायत सरपंच की उपस्थिति में हर घर जल उत्सव आयोजित कर ग्राम को प्रमाणीकरण किया गया। ग्राम सभा में जिला समन्वयक द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत हर घर नल हर घर जल के संचालन, संधारण, प्रबंधन एवं सतत क्रियाशील बनाए रखने की जिम्मेदारियों से अवगत कराते हुए योजना को सुचारू रूप से सफलता पूर्वक संचालन करने की अपनी की ताकि हर घर तक शुद्ध पेयजल की निरंतर आपूर्ति हो सके। जल जीवन मिशन योजना की संपूर्ण जानकारी देते पाइप लाइन, टंकी, घरेलू नल कनेक्शन का सदुपयोग करने के लिए जानकारी दी गई। साथ ही जल बहिनी, पंप आपरेटर, प्लंबर, हेल्पर और ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति एवं समस्त ग्राम वासियों को अपने दायित्वों का निर्वाहन करने के लिए प्रेरित किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अनुबंधित एजेंसी द्वारा ग्राम रानीडोंगरी में जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यों को पूर्ण किया गया। इस मौके पर जल नमूना संग्रहणकर्ता, अनुबंधित एजेंसी के प्रतिनिधि, पंप ऑपरेटर, गणमान्य नागरिक एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

नक्सलियों ने निर्दोष ग्रामीण को उतारा मौत के घाट

बीजापुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लाल आतंक के खिलाफ जवानों को लगातार कामयाबी मिल रही है. जवानों की कार्रवाई से बौखलाए नक्सली कायराना करतूत को अंजाम दे रहे हैं. इस बीच बीजापुर जिले में माओवादियों ने एक निर्दोष ग्रामीण की हत्या कर दी है. माओवादियों ने ग्रामीण पर पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाकर धारदार हथियार से मौत के घाट उतारा है. यह मामला भोपालपटनम् थाना क्षेत्र के पोषणपल्ली गांव का है. जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 55 वर्षीय कन्हैया ताती पिता हुंगा ताती के रूप में हुई है. हत्या के बाद नक्सलियों ने शव को दुब्बापारा पोषणपल्ली पुराना स्कूल के पास फेंक दिया. घटना स्थल पर ग्रामीण की लाश के पास नक्सलियों का पर्चा भी मिला है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्या

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के जनदर्शन कक्ष में आयोजित जनदर्शन में पहुँचे लोगों से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर जनदर्शन में पहुँचे लोगों के समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्री अजय किशोर लकरा ने भी जनदर्शन में पहुँचे लोगों से मुलाकत कर उनके मांगों एवं समस्याओं को सुना। जनदर्शन में आज डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम अड़जाल निवासी श्रीमती सुमित्रा बाई एवं समुदा बाई सहित अन्य महिलाओं ने वृद्धावस्था पेंशन प्रदान करने की मांग की। इसी तरह बोहारडीह के श्रीमती धनेश्वरी, वार्ड नंबर 19 बालोद के श्री महेश्वर साहू, ग्राम पड़की भाट के श्रीमती ज्योति देशलहरा, ग्राम हल्दी के श्रीमती उर्मिला बाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान करने की मांग की। इसी तरह गुरूर विकासखण्ड के ग्राम मोखा निवासी श्री इंद्रजीत सेन ने खाता नंबर में त्रुटि सुधार करने की मांग की। इसके अलावा जनदर्शन में आज जिले के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में पहुँचे लोगों ने कलेक्टर श्री चन्द्रवाल एवं अधिकारियों से मुलाकात कर अपने मांगों एवं समस्याओं के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया।

40 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ दो गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुकरेजा के निर्देश पर सजग कोरबा अभियान के तहत जिले में अवैध नशे के कारोबार पर प्रतिबंध लगाने सतत कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में कटघोरा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा व एसडीओपी पंकज ठाकुर के मार्गदर्शन में कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी ने टीम गठित कर आज मुखबिर की सूचना पर छुरी में अवैध नशे के कारोबार में लिप्त लोगों की घेराबंदी कर कार्यवाही की गई। थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम अरदा से छुरी में दो व्यक्ति शराब का परिवहन कर बेचने का काम करते है। थाना प्रभारी ने टीम गठित कर छुरी धनरास मोड़ के पास तैनात कर दिया इसी दौरान दो व्यक्ति पल्सर मोटर सायकिल 8145 में थैला लेकर आते दिखे। पुलिस द्वारा उन्हें रोककर पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना नाम विजय सारथी उर्फछोटू पिता लक्ष राम सारथी उम्र 35 वर्ष निवासी बंचर छुरी कला तथा दूसरा अर्जुन सारथी पिता सेवकराम उम्र 31 वर्ष निवासी पठारी भाँटा छुरी कला का होना बताया गया।

कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में दिए महत्वपूर्ण निर्देश

बाढ़ प्रभावितों के प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करें-कलेक्टर

सुकमा(विश्व परिवार)। जिले के कोंटा विकासखंड के ग्राम मेटागुड़ा में आधार पंजीयन शिविर लगाकर सभी ग्रामीणों का आधार पंजीयन सुनिश्चित करें। वहीं अतिवृष्टि व बाढ़ से संबंधित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर प्रभावितों को सहायता प्रदान किया जाए। उक्त निर्देश कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने मंगलवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में दिए। बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को अहम दिशा-निर्देश दिए, जिनमें आधार कार्ड पंजीयन, विद्युत आपूर्ति, खाद्यान्न भंडारण एवं वितरण और स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण शामिल हैं। कलेक्टर श्री ध्रुव ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे रात्रि में भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लें। जिला अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। उन्होंने जिले में निर्बाध विद्युत आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा, आश्रम-छात्रावासों में बेडशीट, चादर, मच्छरदानी जैसी आवश्यक सामग्रियों का शत-प्रतिशत वितरण जल्द से जल्द करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर श्री ध्रुव ने जिले में शत-प्रतिशत आधार कार्ड बनाने हेतु मिशन मोड में काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जन्म के समय ही बच्चों के आधार पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए आधार कार्ड निर्माण शिविरों में तहसीलदारों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में आंगनबाड़ी केन्द्रों में रिक्त पदों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने जल्द से जल्द आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका की भर्ती प्रक्रिया समय में पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही नशामुक्ति भारत अभियान के तहत की गई तैयारियों की जानकारी भी ली। कलेक्टर ने नियद नेल्लानार योजना की विस्तार से समीक्षा की, जिसमें स्वास्थ्य, समाज कल्याण और अन्य विभागों के कार्यों का आकलन किया गया। इसके साथ ही बस्तर संभाग में होने वाले बस्तर ओलंपिक खेलों के लिए सभी लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने और समय-सीमा में पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री गजेंद्र ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर श्री सूरज कश्यप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

त्यौहार सीजन के दौरान जन जीवन को सामान्य बनाने तथा सहुलियत के लिए जरूरी उपाय सुनिश्चित करें : कलेक्टर

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने मौजूदा नवरात्रि एवं दीपावली त्यौहार सीजन के दौरान जन जीवन को सामान्य बनाकर आम जनता की सहुलियत हेतु जरूरी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियो को दिए। श्री चन्द्रवाल आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में दर्शनार्थियों एवं श्रद्धालुओं के मंदिरों एवं अन्य धार्मिक स्थानों में दर्शन हेतु पहुँचने के फलस्वरूप आवागमन तथा भीड़ आदि को नियंत्रित करने की समस्या उत्पन्न होती है। इसके फलस्वरूप इस दौरान व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु शासकीय अमले को पूरे समय मुस्तैद रहने की आवश्यकता है। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, अपर कलेक्टर श्री चंद्रकांत कौशिक, संयुक्त कलेक्टर श्री डीआर ठाकुर एवं श्रीमती पूजा बंसल सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में चन्द्रवाल ने बताया कि आगामी दशहरा एवं दीपावली पर्व के दौरान जिले के सभी बाजारों तथा भीड़-भाड़ वाले ईलाकों एवं सड़क मार्गों में यातायात एवं पार्किंग, पेयजल, सार्वजनिक प्रसाधनों की व्यवस्था और भीड़ एवं ग्राहकी के समय बड़े वाहनों का प्रवेश पर रोक लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु टीम भी गठित की गई है। इसके अंतर्गत संबंधित तहसीलदारों एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों तथा संबंधित यातायात एवं थाना प्रभारियों को टीम का सदस्य बनाया गया है। श्री चन्द्रवाल ने कहा कि इस दौरान भीड़-भाड़ एवं ग्राहकी वाले स्थानों पर बड़े वाहनों के प्रवेश को प्रतिबंधित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा बाजारों एवं सार्वजनिक स्थानों में आम जनता के लिए प्रसाधन की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में जारी किए गए दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में श्री चन्द्रवाल ने सभी विभाग प्रमुखों से अपने-अपने विभागों में लंबे समय से अनुपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों के संबंध में तत्काल जानकारी प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

बलियारा में रासेयो एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन

गोदग्राम बलियारा में चलाया गया स्वच्छता अभियान

धमतरी(विश्व परिवार)। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोथली द्वारा प्राचार्य एस. रामटेके के मार्गदर्शन व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गणेश प्रसाद साहू के नेतृत्व में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन गोद ग्राम बलियारा में किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत बलियारा के सरपंच हीरालाल ध्रुव, सचिव कृष्ण कुमार साहू ,पंचगण एवं ग्रीन आर्मी की कमांडो का सहयोग प्राप्त हुआ। लगभग 65 रा से यो स्वयंसेवक द्वारा ग्राम बलियारा में स्वच्छता कार्य किया गया। जिसके अंतर्गत ग्राम की गलियों ,नालियों, नलकूप के आसपास व तालाब की पचरी की सफाई की गई ।नवरात्रि के अवसर पर ग्राम में चौक चौराहा में दुर्गा पंडाल के आसपास की सफाई एवं लिपाई की गई। शासकीय भवनों, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र व प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय परिसर की सफाई की गई ।शीतला माता मंदिर व कांटाबैगा का मंदिर परिसर की भी सफाई की गई। स्वयं सेवकों द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया तथा संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम गरबा डांस, देश के जवान जागे, बस्तरिया गीत, हाय रे सरगुजा नाचे, झारा झारा नेवता तोला जवारा, राष्ट्रीय युवा गीत ,नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया । सरपंच हीरालाल ध्रुव ने इस आयोजन के लिए बलियारा गांव के चुनाव के लिए कार्यक्रम अधिकारी को धन्यवाद दिया तथा भोथली विद्यालय के स्वयंसेवकों की कर्मठता की प्रशंसा की ।इस अवसर पर गजानंद साहू मनोवैज्ञानिक, व्याख्याता डॉ मंजूषा साहू, राहुल सोनकर ,रामशरण मिश्रा, उमाकांत साहू ,विमला साहू ने सहयोग प्रदान किया।

ग्राम चाबुकनाला में बेहतर संचालन से हर घर में नल से मिल रहा शुद्ध पेयजल

श्रीमती लीला, गीता एवं क्रांति ने घर में नल लग जाने पर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। जल जीवन मिशन योजना के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा छुरिया विकासखंड के ग्राम पंचायत घोरतलाव के आश्रित ग्राम चाबुकनाला में डिस्ट्रीब्यूशन 1000 मीटर पाईप लाइन का विस्तार कर हर घर में नल लगाया गया है। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में हर घर नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का कार्य बेहतर रूप में क्रियान्वन करते हुए ग्राम चाबुकनाला के ग्रामीणों के 48 परिवारों में सोलर के माध्यम 24 घंटे शुद्ध पेयजल पहुंचाया जा रहा है। सरपंच श्रीमती लीलाबाई कोठारी ने बताया कि पहले उनके ग्राम में पानी की काफी समस्या थी। कई बार अन्य ग्रामों से टैंकर के माध्यम से पानी मंगाया जाता था। अब जल जीवन मिशन के तहत उनके ग्राम में पाईप लाइन बिछाकर हर घर में नल कनेक्शन दिया गया है। घर-घर में नल कनेक्शन से शुद्ध पेयजल प्रदाय किया जा रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा एक सतत अभियान चलाकर शासन की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। ग्राम में आज नल से जल के बेहतर उपयोग और बहने वाले पानी के सदुपयोग, सोखता गड्ढा निर्माण सहित जल संरक्षण के लिए समय समय पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। जिससे गांव में जल संरक्षण और जल के बेहतर उपयोग करने के प्रति जागरूकता आयी है।

कलेक्टर ने जिले में जल संचय और संरक्षण के संबंध में की समीक्षा

धमतरी(विश्व परिवार)। देश में गिरते हुए भूजल स्तर को देखते हुए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'जल संचय, जन भागीदारी' पहल की शुरूआत की गई । इसके जरिए जल संरक्षण में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया जा रहा है। इसके मद्देनजर कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने आज जिले के जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक ली। इस दौरान उन्होंने जिले में जल संरक्षण के लिए कृत्रिम रिचार्ज संरचनाएं जैसे चेक डेम, नाला बंधान, सिंचाई स्त्रोत, परकोलेशन टैंक्स, डग वेल, रूफ टॉप स्ट्रक्चर इत्यादि के निर्माण के संबंध में जानकारी ली। साथ ही जल संचय पोर्टल पर पूर्ण हुए और प्रगतिरत कार्यों को प्रविष्टि करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि प्रत्येक पंचायत में वर्षा जल संचय के लिए कम से कम 5 रिचार्ज स्ट्रक्चर निर्माण किया जाए। इसके साथ ही सभी नगरीय निकायों में स्थित शासकीय, अशासकीय भवनों में 10 हजार रिचार्ज स्ट्रक्चर निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी श्री चन्देल ने जल संरक्षण की तकनीकी विषयां की जानकारी विस्तारपूर्वक दी। इस मौके पर कलेक्टोरेट सभाकक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर श्री जी.आर.मरकाम, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी श्री उपेन्द्र चन्देल, एसडीओ वन श्री विश्वकर्मा, सहित वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उपस्थित रहे।

मांगों एवं समस्याओं को लेकर जनदर्शन में 84 आवेदन मिले

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निराकरण करने दिए निर्देश

कांकेर(विश्व परिवार)। कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में आवेदकों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। आज आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में धान खरीदी केन्द्र खोलने, मुरमीकरण करने, पारिश्रमिक दर दिलाने, वृद्धावस्था पेंशन, आवासीय मकान दिलाने, रोजगार प्रदान करने, राशन कार्ड बनाने अनुकम्पा नियुक्ति, सौर ऊर्जा पंप बनवाने, ट्रांसफार्मर बदलने, मिनी पंचायत बनाने, तथा विभिन्न प्रकार की मांगों व समस्याओं से संबंधित कुल 84 आवेदन प्राप्त हुए। जिला

कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में सरोना तहसील के ग्राम सारण्डा-साल्हेभाट रोड का ग्रामीणों द्वारा मुरमीकरण करवाने तथा ग्राम पंचायत करिहा में नवीन धान खरीदी केन्द्र स्वीकृति प्रदान करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। इसी प्रकार ग्राम रामपुर में ट्रांसफार्मर को बदलने और मिनी पंचायत बनवाने, ग्राम मैनखेड़ा में सौर ऊर्जा पम्प को बनवाने, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अंतागढ़, पखांजूर और दुर्गूकोंदल के सफाई कर्मियों द्वारा वेतन भुगतान करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। इसी तरह भर्रीपारा चोरिया के कांति कोर्राम, डोंगरीपारा के अस्तला भास्कर द्वारा नया राशन कार्ड बनवाने, श्रीमती धनेश्वरी तथा बिमलाबाई द्वारा प्रधानमंत्री आवास दिलाने, तुएगहन के लखनलाल यादव द्वारा पेंशन राशि दिलाने, ग्राम भैंसाकट्टा के बीमाबाई कुलदीप और धनंजय बघेल द्वारा तेन्दूपत्ता संग्रहण की पारिश्रमिक राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने उक्त प्रकरणों से प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने संबंधित विभागो के अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर डीएफओ श्री आलोक बाजपेयी, श्री हेमचंद पहारे, श्री डी.पी साहू, अपर कलेक्टर श्री बीएस उईके, श्री जितेन्द्र कुर्रे सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी और विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख उपस्थित थे।

कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त हुए कुल 27 आवेदन

कोंडागांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने आज जिला कार्यालय के समाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित किया। ग्राम पंचायत जोबा के ग्रामीणों ने गांव में पानी की समस्या, आंगनबाड़ी भवन और स्थायी पटवारी पदस्थ करने की मांग की। कलेक्टर ने ग्राम जोबा में पानी की समस्या के निराकरण के लिए कोसारटेडा जलाशय से पानी की आपूर्ति के लिए कार्ययोजना बनाने कार्यपालन अभियंता पीएचई को निर्देशित किया। साथ ही तात्कालिक रूप से आवश्यक व्यवस्था के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों के शत प्रतिशत जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। जनदर्शन में आज माकड़ी विकासखंड के ग्राम पुसापाल निवासी कुमारी भूमिका नाग ने स्वीपर के पद से हटाए जाने की शिकायत की, जिस पर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को जांच करने के निर्देश दिए। ग्राम तमरावंड के ग्रामीणों ने प्राथमिक शाला के प्रधानपाठक की शिकायत करते हुए हटाने की मांग की और कहा कि वे पिछले दो माह से लगातार अनुपस्थित है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर गुरूवार 10 अक्टूबर 2024

व्यापार समाचार

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच सोने की कीमतों में उछाल जारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच सोने की कीमतों में तेजी जारी है। इस सप्ताह सोने में निश्चित उछाल देखने को मिला है। ईरान-इजरायल संघर्ष के कारण सोने की ऊंची कीमतों के साथ अधिक खरीद के बावजूद खरीदारों की स्थिति बरकरार रही। सोने की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी देखी गई। सुबह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत 7,785.3 रुपये प्रति ग्राम थी। यह शुक्रवार के मुकाबले 120 रुपये की वृद्धि को दर्शाती है। वहीं, 22 कैरेट सोने की कीमत 7,138.3 रुपये प्रति ग्राम थी, जो कि शुक्रवार से 110 रुपये ज्यादा थी। एसकेआई कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नरिंद्र वाधवा ने कहा, मध्य पूर्व में राजनीतिक अस्थिरता के समय, सोना अक्सर सुरक्षित निवेश का विकल्प बन जाता है, जबकि कच्चे तेल की कीमतें आपूर्ति में बाधा आने की चिंता के कारण तेजी से प्रतिक्रिया करती हैं। वाधवा ने आगे कहा, अनिश्चितता से सोना खरीदने की बढ़ती मांग हो रही है, क्योंकि लोग इसे सुरक्षित निवेश मानते हैं। इसके साथ ही, ऊर्जा बाजार में भी तेल की कमी की अटकलें लगाई जा रही हैं, जिससे सोना और तेल दोनों ही वैश्विक जोखिम का संकेत बन गए हैं। व्यापार विश्लेषकों का अनुमान है कि ब्याज दरों में निरंतर नरमी से सोने के खरीदारों की रुचि बनी रहेगी। हालांकि, वैश्विक स्तर पर सोने की कीमत 0.2 प्रतिशत गिरकर 2,649.69 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। क्योंकि सितंबर में अमेरिकी नौकरियों में वृद्धि हुई जबकि बेरोजगारी दर घटकर 4.1 प्रतिशत पर आ गई। बेहतर नौकरियों के आंकड़ों के बाद शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। विश्लेषकों के अनुसार अगर सप्ताह के अंत तक भू -राजनीतिक स्थितियां और प्रतिकूल होती हैं तो सोने की कीमतों में तेजी बनी रहेगी। भारत सहित वैश्विक बाजारों में अस्थिरता के बीच, बाजार पर्यवेक्षकों ने निवेशकों को शांत रहने की सलाह दी है क्योंकि स्थिति में जल्द ही सुधार होने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, दूसरी ओर शेयर निवेशक मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष पर नजर रख रहे हैं। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और चीन जैसे सस्ते बाजारों में फंड के प्रवाह के बीच भविष्य में बाजार में निराशावाद जारी रहने की उम्मीद है।

एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए अलर्ट! ई-केवाईसी कराना हुआ जरूरी, नहीं तो कट जाएगा गैस कनेक्शन

महराजगंज(एजेंसी)। एलपीजी गैस सिलिंडर उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खबर है। अब आपकों अपने कनेक्शन का ई-केवाईसी करवाना होगा, नहीं तो आपका कनेक्शन काट दिया जाएगा। 2019 के पहले जिनका कनेक्शन है, उन्हीं को ई-केवाईसी करानी है। वहीं एजेंसियों के कर्मचारी घर-घर जाकर चूल्हा व पाइप की भी जांच करेंगे। 31 दिसंबर तक जिनका ई-केवाईसी नहीं हुआ तो उनके गैस कनेक्शन निरस्त किए जाएंगे। घरेलू गैस कनेक्शन को लेकर पेट्रोलियम कंपनियों ने अपने वास्तविक उपभोक्ताओं की पहचान शुरू कर दी है। वितरक एजेंसियों को उपभोक्ताओं की सुरक्षा को लेकर घर-घर जांच का निर्देश दिया गया है। इससे एजेंसियां ग्राहकों को जागरूक कर रहीं। जिले में इंडेन, भारत गैस और एचपी गैस के लगभग पौने पांच लाख उपभोक्ता हैं। इस समय घरेलू सिलिंडर का दाम 903 रुपये है, इस पर भारत सरकार की ओर से 48 रुपये और उज्ज्वला के लाभार्थियों को 300 रुपये सब्सिडी मिल रही है। यानि सामान्य सिलेंडर 855 और उज्ज्वला सिलेंडर 550 रुपये में मिल रहा है। लेकिन लंबे समय से उपभोक्ताओं का सर्वे न होने के कारण सब्सिडी में भी समस्या आ रही है। इन समस्याओं को लेकर पिछले दिनों सरकार के निर्देश के क्रम में अब पेट्रोलियम कंपनियों की ओर से अभियान चलाकर ग्राहकों की ई-केवाइसी कराई जा रही है। इसके लिए दिसंबर तक का समय दिया गया है। घरेलू गैस कनेक्शन धारकों और सिलेंडर की सुरक्षा के मद्देनजर चूल्हा व सिलेंडर जांच कराना अनिवार्य होता है। इसके लिए गैस एजेंसियों की ओर से उपभोक्ताओं के घर कर्मी पहुंचकर जांच करेंगे, जरूरत पड़ने पर पाइप आदि बदला जाएगा। ई-केवाइसी के साथ-साथ यह कार्य किए जा रहे हैं।

बाबर आजम पिछली 17 टेस्ट पारियों में नहीं लगा सके एक भी अर्धशतक

नईदिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के प्रमुख बल्लेबाज बाबर आजम का खराब फॉर्म जारी है। उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में 30 रन बनाए।बल्लेबाजी के लिए मुफीद नजर आ रही मुल्तान की पिच पर वह बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे।उन्होंने अपनी पारी में 71 गेंदों का सामना किया और वह क्रिस वोक्स का शिकार बने।आइए उनके खराब दौर के आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। बाबर टेस्ट क्रिकेट में अपनी पिछली 17 पारियों में 50 या उससे अधिक रनों का स्कोर नहीं बना सके हैं।उन्होंने इन पारियों में 361 रन बनाए हैं, जिसमें 41 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा है।उन्होंने दिसंबर 2022 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ अपनी पिछली 50+ रन की पारी खेली थी।इसके बाद से उनके स्कोर क्रमश: 14, 24, 27, 13, 24, 39, 21, 14, 1, 41, 26, 23, 0, 22, 31, 11 और 30 रन रहे हैं। पिछले साल उन्होंने 9 पारियों में 22.66 की औसत से 204 रन बनाए थे। उन्होंने 2023 में कोई अर्धशतक नहीं लगाया था।इस साल अब तक उन्होंने 4 टेस्ट की 7 पारियों में 20.42 की औसत से 143 रन बनाए हैं। इस बीच 31 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा।साल 2022 में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने 69.64 की औसत के साथ 1,184 रन बनाए थे। उस बीच उन्होंने 4 शतक और 7 अर्धशतक लगाए थे। बाबर का इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ टेस्ट में शानदार प्रदर्शन रहा है। उन्होंने इस टीम के विरुद्ध अब तक 8 टेस्ट की 13 पारियों में 58.27 की उम्दा औसत के साथ 641 रन बनाए हैं।इस बीच उन्होंने 136 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 1 शतक और 6 अर्धशतक लगाए हैं।अपने अब तक के टेस्ट करियर में बाबर इंग्लैंड के खिलाफ 2 पारियों में नाबाद भी रहे हैं। बाबर ने अपने टेस्ट क्रिकेट करियर में अब तक 55 मैचों में 44.35 की औसत से 3,992 रन बनाए हैं। इस बीच उनके बल्ले से 9 शतक और 26 अर्धशतक निकले हैं।इस प्रारूप में वह कोई दोहरा शतक नहीं लगा सके हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 196 रन है।वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के शुरुआती 2 चक्रों में पाकिस्तान की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे।

एयरटेल के एआई-पावर्ड नेटवर्क के साथ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ने स्पैम कॉल और एसएमएस को हमेशा के लिए कहा अलविदा

एयरटेल के सभी ग्राहकों के लिए स्वचालित रूप से निःशुल्क सेवा सभी डिवाइसस पर सक्रिय की गई

इंदौर (एजेंसी)। भारती एयरटेल ने अपनी एआई-पावर्ड स्पैम डिटेक्शन सिस्टम के जरिए मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अपने ग्राहकों को बड़ी राहत प्रदान की है। इस अत्याधुनिक तकनीक लॉन्च के पहले 12 दिनों में ही, टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर ने अपनी इस नई सेवा से दोनों राज्यों में 5 करोड़ 70 लाख संभावित स्पैम कॉल और 13 लाख स्पैम एसएमएस की पहचान करने में सफलता हासिल की है।

यह सेवा पूरी तरह से मुफ्त है और अब मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सभी एयरटेल के ग्राहकों के लिए इसे अपने आप एक्टिवेट कर दिया गया है। इसके लिए उन्हें न तो कोई अनुरोध करना पड़ा और न ही कोई एप डाउनलोड करने की जरूरत पड़ी लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, भारती एयरटेल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रितेश

अग्रवाल ने कहा, आज की तेजी से डिजिटल होती दुनिया में, हमारे ग्राहक घोटालों और दुर्भावनापूर्ण संदेशों के खतरे का सामना कर रहे हैं, इसके चलते अधिकतर ग्राहक असुरक्षित और इन खतरों से बचाव के तरीकों को लेकर चिंतित रहते हैं। आज, एयरटेल अपने अनूठे एआई-संचालित सुविधा की शुरुआत करने के साथ इस गंभीर समस्या का सामना करने के लिए तैयार है। दुर्भावनापूर्ण कॉल्स और मैसेज को सक्रिय पहचान के माध्यम से, इस अनूठी नई तकनीक ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में एयरटेल के 1 करोड़ 60 लाख ग्राहकों को डिजिटल वातावरण में आत्मविश्वास के साथ नेविगेट करने के लिए सशक्त बनाया है। एयरटेल ने ग्राहकों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है और एक भरोसेमंद टेलीकॉम पार्टनर के रूप में नया इंडस्ट्री स्टैंडर्ड स्थापित किया है। एयरटेल के डेटा वैज्ञानिकों द्वारा इस एआई-सक्षम सेवा को बनाने में एक विशेष एल्गोरिद्म का उपयोग किया गया है, जो कॉल और एसएमएस को 卐सस्पेक्टेड स्पैम卐 के रूप में पहचानता है। नेटवर्क, एआई एल्गोरिद्म की मदद से, रियल-टाइम में यह मॉनिटर करता है कि किस नंबर से कॉल आ रहा है या किसने एसएमएस भेजे हैं। इसके अलावा, यह कॉल और एसएमएस की संख्या और कितनी देर तक कॉल हुई, इन सबका भी विश्लेषण रखता है।

पर्सनल डेटा संरक्षण कानून का उल्लंघन कर रहा टिकटॉक, होगी जांच : दक्षिण कोरिया

सोल(एजेंसी)। दक्षिण कोरिया का मीडिया नियामक देश के पर्सनल डेटा संरक्षण कानून के उल्लंघन को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक की जांच करने जा रहा है। नियामक के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। टिकटॉक कोरियाई कानून का उल्लंघन कर रहा है। टिकटॉक पर आरोप है कि कंपनी यूजर्स को स्वचालित विज्ञापन प्राप्त करने के लिए बाध्य करती है। कोरियाई कानून के तहत इस तरह की सामग्री के लिए किसी भी कंपनी को यूजर्स की सहमति लेना अनिवार्य है। कोरियाई अधिकारी ने कहा कि कोरिया संचार आयोग (केसीसी) को संदेह है कि

टिकटॉक सूचना और संचार नेटवर्क उपयोग और डेटा संरक्षण के संवर्धन अधिनियम का उल्लंघन कर रहा है। जल्द ही वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म की जांच शुरू की जाएगी। अधिकारी ने कहा, हमारा मानना है कि टिकटॉक की सेवा शर्तों और यूजर्स से स्पष्ट सहमति प्राप्त करने को लेकर किसी तरह की परेशानी है। चीनी कंपनी बाइटडांस के स्वामित्व वाली कंपनी टिकटॉक पर भी कोरियाई एजेंसियों को संदेह है कि कंपनी प्लेटफॉर्म से जुड़ने वाले यूजर्स को अपनी सेवा की शर्तों और गोपनीयता नीति को लेकर पूरी सामग्री साझा नहीं करती है। संबंधित कानून के तहत, कंपनियों को यूजर्स को यह निर्णय लेने की स्वतंत्रता देनी होगी कि वे विज्ञापन प्राप्त करना चाहते हैं या नहीं। किसी भी यूजर को ऐसी सामग्री भेजने से पहले यूजर की स्पष्ट सहमति जरूरी है। कानून का उल्लंघन करने वालों पर 30 मिलियन वॉन (22,279 डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

गोदरेज ग्रुप ने रणनीतिक अधिग्रहण के साथ भारत के लॉजिस्टिक्स ग्रोथ को दी गति

बेंगलुरु(एजेंसी)। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का हिस्सा गोदरेज एंड बॉयस के स्टोरेज सॉल्यूशंस व्यवसाय ने बेंगलुरु स्थित स्टोरेज शेल्विंग सिस्टम्स और मेजेनाइन स्ट्रक्चर्स के निर्माता आर्मेस मैनी के अधिग्रहण की घोषणा की। भारत के तेजी से विकसित हो रहे लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग सेक्टर का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, बिजनेस ने रणनीतिक कदम के साथ अपनी उत्पादन क्षमता में काफी वृद्धि की है। इस अधिग्रहण में बेंगलुरु के बाहरी इलाके में स्थित एक अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा शामिल है, जिसकी क्षमता 150,000 वर्ग फीट में फैली हुई है और इसकी उत्पादन क्षमता 20,000 टन प्रति वर्ष है। अत्याधुनिक तकनीक और बुनियादी ढांचे से लैस, यह फैसिलिटी शेल्विंग सोल्यूशंस की क्षमता में लगभग 35त्न की वृद्धि करेगी, जो बदलते उपभोग रुझानों द्वारा संचालित कुशल और स्केलेबल स्टोरेज समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह कदम ऐसे महत्वपूर्ण समय में उठाया गया है, जब लॉजिस्टिक्स उद्योग में अभूतपूर्व वृद्धि हासिल कर रहा है, जो कि विकसित हो रहे उपभोग पैटर्न और क्रिक कॉमर्शल प्लैटफॉर्म्स के तेजी से विस्तार से प्रेरित है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष और बिजनेस हेड, स्टोरेज सॉल्यूशंस, विकास चौदाहा ने कहा, %मौजूदा समय में केवल 40त्न वेयरहाउसिंग फैसिलिटीज ग्रेड ए के रूप में वर्गीकृत हैं, जिससे भारत के वेयरहाउसिंग बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता और दक्षता में सुधार करने के लिए टिकाऊ, अत्याधुनिक समाधानों की तत्काल आवश्यकता है। हम अपने देश के बढ़ते लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग सेक्टर की बदलती जरूरतों को अच्छी तरह समझते हैं, और अपनी क्षमताओं का विस्तार करते हुए हम भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। भारत के स्टोरेज सोल्यूशंस बिजनेस में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में, 30त्न से अधिक बाजार हिस्सेदारी के साथ, यह रणनीतिक अधिग्रहण राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और भी मजबूत करता है।

हमारी बढ़ी हुई क्षमता हमें ई-कॉमर्स और क्रिक कॉमर्स जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों की बढ़ती मांगों को पूरा करने और एडवांस वेयरहाउसिंग सोल्युशंस की मांग को पूरा करने में हमें सक्षम बनाएगा। आर्मेस मैनी का रणनीतिक अधिग्रहण स्टोरेज सॉल्यूशन बिजनेस की मार्केट डॉमिनेंस (बाजार प्रभुत्व) को मजबूत करता है और भारत में उद्योग की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यवसाय के सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाता है। गोदरेज एंड बॉयस ने हाल ही में चेन्नई में 90,000 टन प्रति वर्ष क्षमता वाली एक और विनिर्माण सुविधा (मैन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटी) स्थापित करके अपने पदचिह्नों का विस्तार किया है। उत्पादन क्षमताओं का विस्तार करते हुए टिकाऊ, कटिंग एज सॉल्युशंस पर ध्यान केंद्रित कर, गोदरेज एंड बॉयस विकसित भारत 2047 विजन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

मर्सिडीज़-बेंज़ इंडिया ने लग्ज़री बिज़नेस लिमूज़ीन में नए मानक स्थापित करते हुए नई ई क्लास एलडब्लूबी के लॉन्च के साथ सेगमेंट को नई परिभाषा दी

पुणे: भारत की सबसे डिज़ायरेबल लग्जरी कार निर्माता कंपनी, मर्सिडीज़-बेंज़ ने आज देश की सबसे पसंदीदा एक्ज़िक्यूटिव बिजनेस सलून, ऑल-न्यू लॉन्ग व्हीलबेस ई क्लास का लॉन्च किया और साथ ही मर्सिडीज़-बेंज़ भारत में अपने इतिहास की सबसे अच्छी क्यू 3 सेल और सर्वाधिक जनवरी-सितंबर ईयर तो डेट सेल दर्ज की। नई लॉन्ग व्हीलबेस ई क्लास ने मर्सिडीज़-बेंज़ के सेडान पोर्टफोलियो को और ज्यादा मजबूत किया है। यह भारतीय बाजार में सबसे ज्यादा बिकने वाले मॉडल की छठी पीढ़ी है। भारतीय सड़कों पर 57,000 से अधिक ई क्लास वाहनों के साथ यह देश में सभी सेगमेंट्स में सबसे सफल लग्जरी सलून है। मर्सिडीज़-बेंज़ ई क्लास भारत में 'लॉंगेस्ट रनिंग प्रोडक्शन कार' भी है, जिसका उत्पादन 1995 में शुरू किया गया था। नई लॉन्ग व्हीलबेस ई क्लास ने अत्याधुनिक डिजिटल टेक्नोलॉजी की मदद से पर्सनालाईज़्ड फ़ीचर्स के मामले में बहुत ऊँचे मानक स्थापित कर दिए हैं। इसमें लग्जुरियस इंटीरियर के साथ बेजोड़ कम्फर्ट है। 1995 में स्थानीय स्तर पर उत्पादन शुरू होने के बाद ई क्लास ने लगातार विकास किया है और यह प्रबुद्ध ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप अनुकूलित होकर उनकी बेस्ट-इन-क्लास लग्ज़री बिजनेस सलून बन गई है। 6वीं पीढ़ी का यह मॉडल सर्वोच्च विकास का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें मर्सिडीज़-बेंज़ के लग्ज़री, कम्फर्ट, और सुरक्षा के पारंपरिक गुणों के साथ आधुनिक डिजिटल इनोवेशंस को जोड़ा गया है, जिससे आज तक की सबसे ज्यादासॉफिस्टिकेटेड और टेक्नोलॉजी में आधुनिक ई क्लास लॉन्ग व्हीलबेस बनी है। संतोष अय्यर, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, मर्सिडीज़-बेंज़ इंडिया ने कहा नई लॉन्ग व्हीलबेस ई क्लास लिमूज़ीन लग्ज़री बिज़नेस सलून सेगमेंट में नए मानक स्थापित करेगी, यह भारत की सबसे अधिक डिज़ायर्ड लग्ज़री कार होगी।

हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश 15 अक्टूबर, 2024 को खुलेगी

मुंबई (एजेंसी)। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (कंपनी) ने मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024 को इक्विटी शेयरों की अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ - ऑफर) खोलने का प्रस्ताव किया है। कंपनी हुंडई मोटर समूह की अंग है, जो क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार कैलेंडर वर्ष 2023 में यात्री वाहन बिक्री के आधार पर दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी ऑटो ओईएम थी। एंकर इन्वेस्टर बोली की तारीख बोली/ऑफर खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले है, जो सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024 है। बोली/ऑफर बंद होने की तारीख गुरुवार, 17 अक्टूबर, 2024 है। ऑफर का प्राइस बैंड 1,865 प्रति इक्विटी शेयर से 1,960 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 7 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 7 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोली लगाई जा सकती हैं। कंपनी के आईपीओ में हुंडई मोटर ('प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर') द्वारा 142,194,700 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है। कंपनी को इस प्रस्ताव से कोई आय ('प्रस्ताव आय') प्राप्त नहीं होगी। यह ऑफर प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियम, 1957 के विनियम 19(2)(बी) के अनुसार किया जा रहा है, जिसे संशोधित किया गया है । ('एससीआरआर') और यह सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियमन 31 के साथ संलग्न है। यह ऑफर सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियमन 6(1) के अनुसार बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के जरिए किया जा रहा है। इसमें नेट ऑफर का 50त्न तक (यह 50त्न से अधिक नहीं हो सकता) हिस्सा आनुपातिक आधार पर पात्र संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) (क्यूआईबी पोर्शन) को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा, हालांकि हमारी कंपनी, बीआरएलएम के परामर्श से, एंकर इन्वेस्टर को क्यूआईबी हिस्से का 60त्न तक आवंटित कर सकती है और इस तरह के आवंटन का आधार सेबी आईसीडीआर विनियमनों (एंकर इन्वेस्टर पोर्शन) के अनुसार, बीआरएलएम के परामर्श से हमारी कंपनी द्वारा विवेकाधीन आधार पर होगा, जिसमें से एक तिहाई घरेलू म्यूचुअल फंड के लिए आरक्षित होगा।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, कांकेर मण्डल, कांकेर
Email - sepwdkanker.2010@rediffmail.com/se.kanker@nic.in,
Fax No. 07868-224040

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित भवन /सड़क कार्य हेतु दिनॉक 22.10.2024 समय 17:30 बजे तक ऑनलाईन (Online) निविदाएँ आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	एन. आई. टी. नंबर	टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	2	3	4	5
01	80	159509	उप-संभाग क्र.01 कोण्डागांव के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत कार्य।	20.00 लाख
02	81	159510	उप-संभाग क्र.01 कोण्डागांव के अंतर्गत आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत कार्य।	20.00 लाख
03	82	159511	उप-संभाग क्र.01 कोण्डागांव के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में पुल-पुलियो का वार्षिक मरम्मत कार्य।	20.00 लाख
04	83	159512	उप-संभाग क्र.01 कोण्डागांव के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में पुल-पुलियो का विशेष मरम्मत कार्य।	20.00 लाख
05	84	159513	उप-संभाग क्र.02 कोण्डागांव के अंतर्गत आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत कार्य।	15.00 लाख
06	85	159514	उप-संभाग केशकाल के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में पुल-पुलियो का वार्षिक मरम्मत कार्य।	20.00 लाख
07	86	159515	उप-संभाग केशकाल के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में पुल-पुलियो का विशेष मरम्मत कार्य।	15.00 लाख
08	87	159516	उप-संभाग क्र.02 कोण्डागांव के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में पुल-पुलियो का विशेष मरम्मत कार्य।	20.00 लाख
09	88	159517	उप-संभाग क्र.02 कोण्डागांव के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में पुल-पुलियो का वार्षिक मरम्मत कार्य।	20.00 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञिप्त, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट बेव पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय बेवसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।

नोट:- द्वितीय आमंत्रण
डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि 22.10.2024
G-242503023/2

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, कांकेर
मण्डल कांकेर

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रीय डाक दिवस की दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भारत की सबसे पुरानी सरकारी डाक प्रणाली 'भारतीय डाक' के सभी कर्मियों को राष्ट्रीय डाक दिवस की हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि हर साल 10 अक्टूबर को भारत में राष्ट्रीय डाक दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन भारतीय डाक विभाग द्वारा निभाई गई भूमिका और उसकी सराहनीय सेवाओं का स्मरण दिलाता है। भारतीय डाक सेवा दुनिया में सबसे बड़े डाक नेटवर्क के रूप में स्थापित है। आज के डिजिटल युग में भी यह ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में संचार का सुलभ साधन बनी हुई है।

सफलता के लिए संघर्ष, त्याग और समर्पण की भावना जरूरत : मंत्री टंकराम वर्मा

राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का हुआ समापन

रायपुर (विश्व परिवार)। मंत्री श्री वर्मा ने खिलाडियों को प्रेरित करते हुए कहा कि बिना किसी कठिन परिश्रम के ऊंचाईयों तक नहीं पहुंचा जा सकता, यदि हम इतिहास के महान लोगों के जीवन को देखे, तो उनके जीवन में संघर्ष, त्याग और समर्पण जुड़ा हुआ है। खेल मंत्री श्री टंक राम वर्मा आज राजधानी के जे.आर.दानी स्कूल में आयोजित 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता के समापन समारोह में पहुंचे। विगत चार दिनों से आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य के सभी संभागों के स्कूल के 1790 खिलाड़ी और 300 कोच शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में रायपुर संभाग को ओवरऑल चैम्पियनशिप का खिताब दिया गया।

मंत्री श्री वर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रतियोगिता एक बेहतरीन मंच है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार में खेल प्रतिभा को बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। अलंकरण दिवस समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य के ऐसे खिलाड़ी जो ओलंपिक में गोल्ड मैडल विजेता होंगे, उन्हें 3 करोड़ रूपए से पुरस्कृत करने की घोषणा की।

दुर्गा एवं छठ पूजा में रेल यात्रियों के आरामदायक सफर एवं आरक्षित बर्थ की उपलब्धता हेतु अतिरिक्त कोच की व्यवस्था एवं स्पेशल ट्रेनों की सुविधा

- दपूम रेलवे द्वारा विभिन्न ट्रेनों में 4 स्थायी एवं 4 अस्थायी अतिरिक्त कोच लगाए गए
- इन अतिरिक्त कोचों से 576 से अधिक यात्रियो को मिली कन्फर्म बर्थ की सुविधा
- दुर्गा पूजा, छठ पूजा के लिए 06 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की सुविधा प्रदान की
- 18249/18250 -18251/18252 कोरबा-रायपुर-कोरबा हसदेव एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्थायी कोच की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए भारतीय रेल द्वारा इस वर्ष 6556 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इन स्पेशल ट्रेनों का संचालन 1 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच किया जाएगा। रेलवे अधिकारी के मुताबिक हर साल त्योहारों के अवसर पर रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाता है। इस वर्ष इन स्पेशल ट्रेनों की संख्या में भारी बढ़ोतरी की गई है।

गौरतलब है कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पर्वों के दौरान लाखों की संख्या में यात्री सफर करते हैं। यात्रियों की भारी भीड़ को सुगम एवं आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए रेलवे द्वारा इस वर्ष भी विशेष ट्रेनों का संचालन करने की तैयारी की गई है। दो महीने की अवधि के दौरान ये स्पेशल ट्रेनें 6556 फेरे लगाएंगी और बड़ी तादाद में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का काम करेंगी।

इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा प्रत्येक

वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्रि पर्व मेला, दिपावली एवं छठ पूजा में जाने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये रेलवे प्रशासन के द्वारा गाडियों का अस्थायी ठहराव एवं कुछ गाड़ियो का विस्तार की सुविधा प्रदान की जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा अक्टूबर' 2024 में कुल 04 अतिरिक्त अस्थायी कोच दिनांक 10 से 13 अक्टूबर, 2024 को 18247 बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस में, दिनांक 05 से 13 अक्टूबर, 2024 को 18241 दुर्ग-अम्बिकापुर एक्सप्रेस में, दिनांक 06 से 14 अक्टूबर, 2024 को 18242 अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस में, दिनांक 06 अक्टूबर, 2024 को 18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में लगाए जा रहे है। इसके साथ ही साथ दिनांक 16 अक्टूबर, 2024 को 18249/18250 रायपुर-कोरबा-रायपुर हसदेव एक्सप्रेस, दिनांक 13 अक्टूबर, 2024 को 18251/18252 कोरबा - रायपुर -कोरबा हसदेव एक्सप्रेस ट्रेनों में 04 स्थायी कोच भी लगाए जा रहे। इन सभी कोचों से लगभग 576 से भी अधिक रेल यात्रियों को कनफर्म बर्थ/सीट की सुविधा का लाभ मिला है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निरंतर यात्रियों के आरामदायक यात्रा के लिए प्रतिबद्ध है तथा रेल यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निरन्तर कार्यरत है।

दुर्गा पूजा, छठ पूजा के लिए 06 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की सुविधा- इसी प्रकार दुर्गा पूजा, छठ पूजा के लिए 06 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की सुविधा प्रदान की गयी है। दिनांक 09 अगस्त, 2024 को एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन 08893/94 गोंदिया - संतरागाछी -गोंदिया स्पेशल ट्रेन सावन मेला के लिए चलाई गयी थी। इसी प्रकार दिनांक 04 एवं 09 अक्टूबर, 2024 को दो जोड़ी स्पेशल ट्रेन 08893/94 गोंदिया -संतरागाछी -गोंदिया स्पेशल ट्रेन दुर्गा पूजा के लिए चलाई जा रही है। दिनांक 03 एवं 04 नवम्बर, 2024 को दो जोड़ी स्पेशल ट्रेन 08897/98 गोंदिया -पटना-गोंदिया स्पेशल ट्रेन छठ पूजा के लिए चलाई जा रही है। दिनांक 03 एवं 04 नवम्बर, 2024 को दो जोड़ी स्पेशल ट्रेन 08895/96 गोंदिया -छपरा-गोंदिया स्पेशल ट्रेन छठ पूजा के लिए चलाई जा रही है। दिनांक 30 सितम्बर, 2024 को एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन 08857 दुर्ग-जम्मू तवी स्पेशल ट्रेन चलाई गयी। दिनांक 07 से 12 अक्टूबर, 2024 को छः जोड़ी स्पेशल ट्रेन 08766/08767 डोंगरगढ़-रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू पैसेजर स्पेशल ट्रेन दुर्गा पूजा के लिए चलाई जा रही है, इसी प्रकार दिनांक 07 से 12 अक्टूबर, 2024 को छः जोड़ी स्पेशल ट्रेन 08764/08765 डोंगरगढ़-दुर्ग-डोंगरगढ़ मेमू पैसेजर स्पेशल ट्रेन दुर्गा पूजा के लिए चलाई जा रही है।

स्वच्छता पखवाड़ा : स्वच्छ आहार थीम पर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्थित कैंटीनों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, साफ-सफाई एवं स्वच्छता की जांच की गई

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रेलवे द्वारा स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत के तहत स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। दिनांक 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक आयोजित इस स्वच्छता पखवाडा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में प्रत्येक दिवसों के थीम के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

9 अक्टूबर 2024 को स्वच्छ आहार थीम पर मंडल के सभी महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर स्थित कैंटीन एवं केटरिंग स्टालों तथा रेल कार्यालयों में स्थित कैंटीनों पर मिलने वाली खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता तथा साफ-सफाई व स्वच्छता की जांच की गई। इसी कड़ी में आज रायपुर रेलवे स्टेशन पर स्थित कैंटीन एवं स्टालों की जांच वाणिज्य व मेडिकल विभाग के अधिकारियों द्वारा गहन निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही नामित अधिकारियों व पर्यवेक्षकों द्वारा मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों में संचालित कैंटीन एवं स्टालों में स्वच्छता का गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर में और उसके आसपास कैंटीन, खाद्य स्टॉल की गहन सफाई सुनिश्चित की गई। सफाई गतिविधियों में स्थायी सुधार के लिए सफाई के दौरान बर्तनों की सफाई, कचरा निपटान की भी जांच की गई। खाद्य विक्रेताओं, रसोइयों और कैंटीन के कर्मचारियों की स्वच्छता, चिकित्सा प्रमाण-पत्र आदि भी जाँची गई। सूखे और गीले डस्टबिन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। स्टेशन में यात्रियों से स्वच्छता के संबंध में आवश्यक फीडबैक भी लिया गया।

बंदी की मौत पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से कहा- परिजनों को दें मुआवजा

बिलासपुर (आरएनएस)। जेल में बंदी की मौत के लिए राज्य के कर्मचारियों को जिम्मेदार मानते हुए हाईकोर्ट ने शासन को एक लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि आदेश का पालन नहीं होने पर उक्त राशि पर 9 प्रतिशत ब्याज देना होगा। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरू की डिवीजन बेंच में हुई। मिली जानकारी के मुताबिक, सीपत पुलिस ने 18 जनवरी को ग्राम मोहरा निवासी 35 वर्षीय श्रवण सूर्यवंशी उर्फ सरवन तामरे को कच्ची शराब रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था. मेडिकल कराने के बाद उसे 18 जनवरी को बिलासपुर केन्द्रीय जेल भेज दिया गया. 21 जनवरी को स्वास्थ्य खराब होने पर जेल से उसे सिम्स में भर्ती कराया गया, जहां 22 जनवरी की सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर उसी दिन शाम को पोस्टमार्टम कराया, जिसमें सिर में चोट व सदमे से उसकी मौत होने की बात कही गई. मृतक श्रवण की बेवा लहार बाई व नाबालिग बच्चों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मुआवजा की मांग की. मामले की न्यायिक जांच कराई गई, इसमें न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ने जांच प्रतिवेदन में सिर के चोट लगने के कारण मौत होने की रिपोर्ट दी। मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता मृतक की विधवा पत्नी और बेटियाँ हैं. राज्य के कर्मचारियों की लापरवाही से मौत हुई है. गलत तरीके से हुए नुकसान के लिए बंदी के परिजन मुआवजे के हकदार हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का हो रहा चंहुमुखी विकास : डिप्टी सीएम अरुण साव

- प्रदेश में सड़कों के निर्माण में केंद्र सरकार का मिल रहा है लगातार सहयोग
- भारत सरकार द्वारा राज्य में 8 सड़क खंडों के लिए 892 करोड़ रुपए स्वीकृत
- 6 जिलों में 324 किमी सड़क के विकास के लिए मंजूर की गई राशि
- उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के प्रति किया आभार व्यक्त

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने भारत सरकार द्वारा आठ सड़क खंडों के लिए 892 करोड़ 36 लाख रुपए स्वीकृत करने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का चहुंमुखी विकास हो रहा है। राज्य में सड़कों के निर्माण में केंद्र सरकार का लगातार सहयोग मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने विगत 30 सितम्बर को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के साथ नई दिल्ली में हुई बैठक में इस प्रस्ताव पर सैद्धांतिक सहमति दी थी।

राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेश के छह जिलों में कुल 323.9 किलोमीटर सड़क खंडों के विकास के लिए इस साल 9 सितम्बर को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा गया था। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने सोमवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर भारत सरकार द्वारा इन प्रस्तावों को मंजूर किए जाने की जानकारी साझा की है। उन्होंने लिखा है कि छत्तीसगढ़ के बेमेतरा, मुंगेली, राजनांदगांव, जशपुर, बिलासपुर और खैरागढ़ जिलों में आठ राज्य सड़क खंडों के विकास के लिए सीआरआईएफ से वित्तीय वर्ष 2024-25 में 892 करोड़ 36 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। अरुण साव ने बताया कि भारत सरकार द्वारा सीआरआईएफ से मंजूर की गई इस राशि से बेमेतरा और मुंगेली जिले में नांदघाट-मुंगेली सड़क खंड और बेमेतरा-नवागढ़-मुंगेली सड़क खंड का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जाएगा। राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव-चौकी-मोहला मानपुर सड़क खंड, जशपुर जिले के बागबहार-कोतबा सड़क खंड, लुड़ेंग-तपकरा-लावाकेरा सड़क खंड और जशपुर-आस्टा-कुसमी सड़क खंड के मजबूतीकरण का कार्य भी इनमें शामिल हैं। सिरगिट्टी-सरवानी-पसीद-अमलडिहा-बरतोरी-दगोरी सड़क खंड तथा राजनांदगांव और खैरागढ़ जिले के राजनांदगांव-कवर्धा-पोंडी सड़क खंड के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का कार्य भी इस राशि से किया जाएगा।

भारतीय डाक विभाग द्वारा 7 से 11 अक्टूबर तक मनाया जा रहा 'राष्ट्रीय डाक सप्ताह'

राज्यस्तरीय पत्र लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं महिमा सिन्हा, संस्कृति एवं तनिष्का यादव को किया गया पुरस्कृत

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय डाक विभाग द्वारा 07 से 11 अक्टूबर, 2024 तक राष्ट्रीय डाक सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान विभाग द्वारा अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय पत्र लेखन प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगता के राज्यस्तरीय विजेताओं महिमा सिन्हा को पच्चीस हजार रूपए, संस्कृति को दस हजार रूपए एवं तनिष्का यादव को पांच हजार रूपए के नगद पुरस्कार से दिनेश कुमार मित्री, निदेशक डाक सेवाएं, मुख्यालय, रायपुर के हाथों पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा दुर्ग में पोस्टाथन का आयोजन भी किया गया।

आज विश्व डाक दिवस-दिनांक विश्व डाक दिवस के उपलक्ष्य में सभी प्रमुख कार्यालयों में बैनर पोस्टर इत्यादि का प्रदर्शन किया जा रहा है। 'देश भर में लोगों को सशक्त बनाने तथा संचार को सक्षम बनाने के 150 वर्ष' की थीम के आधार पर पैदल यात्रा कार्यक्रम के माध्यम से 'फिट पोस्ट, फिट इंडिया' का संदेश पहुँचाया जा रहा है, साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के लिए वृक्षारोपण समारोह का आयोजन किया गया।

10 अक्टूबर को अन्त्योदय दिवस के अवसर पर समाज के गरीब, पिछड़े वर्ग सबको अवसर प्रदान करने एवं आगे बढ़ाने हेतु क्या किया जा सकता है इस पर चर्चा किया जावेगा, इस हेतु राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के साथ मिलकर विशेष सत्र का आयोजन किया जावेगा। आधार एनरोलमेंट एवं अपडेशन हेतु ग्रामीण, शहरी एवं दूर दराज के क्षेत्रों में कैंप का आयोजन किया जावेगा।

11 अक्टूबर को वित्तिय सशक्तिकरण दिवसके अवसर पर बालिकाओं के उज्जवल भविष्य को केंद्रित करते हुए अधिक से अधिक सुकन्या समृद्वी खाता खोले जाने का प्रयास किया जावेगा एवं महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए महिला सम्मान बचत पत्र के खाते भी खोले जायेंगे। समस्त उपसंभाग में कम से कम 3 डाक चौपाल का आयोजन किया जावेगा। डाक चौपाल के माध्यम से डाक जीवन बीमा/ग्रामीण डाक जीवन बीमा का भी व्यवसाय अर्जित किया जावेगा। वित्तीय साक्षरता सत्र का आयोजन किया जावेगा।

इसके पूर्व 07 अक्टूबर को मेल और पार्सल दिवस के असवर पर मेल और पार्सल दिवस पर बल्क ग्राहकों के साथ कस्टमर मीट का आयोजन किया गया। ग्राहकों को योजना के तहत की गयी नई पहलों के बारे जानकारी दी गई। डाक और पार्सल भेजना तथा दी जाने वाली सेवाओ के बारे में उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त की गई। डाकघर निर्यात केन्द्र पर जागरुकता कार्यक्रम- निर्यातकों के लिए कार्यशाला का आयोजन तथा डाकघर निर्यात केंद्र द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं और लाभों के बारे में लोगो को जागरुक किया गया और 08 अक्टूबर को फिलाटेली (डाक टिकट संग्रहण) दिवस के अवसर पर फिलाटेली दिवस के अवसर पर स्कूलों में ढाई आखर के संबंध में वर्कशाप कराया गया, जिसमें 'डिजिटल युग में पत्र लेखन के महत्व' को समझाया गया। फिलाटेली (डाक टिकट संग्रहण) खाता खोलने हेतु ग्राहकों में प्रचार-प्रसार करके अधिक से अधिक खोले जाने का प्रयास किया जावेगा। फिलाटेली प्रश्नोत्तरी, प्रतियोगिताएं, क्वीज, फिलाटेली सेमीनार और वॉकशाप का आयोजन किया गया था।

राष्ट्रीय डाक सप्ताह के उत्सव के माध्यम से डाक विभाग अपनी सभी नवीनतम् सेवाओं को जनता के बीच ले जाने का प्रयास कर रहा है। सभी संभागों में ग्राहक मिलन सम्मेलन के आयोजन से डाक विभाग अपनी सुविधाओं के सुधार हेतु आवश्यक सुझाव भी प्राप्त करेगा।

रेलवे की नई व्यवस्था : ट्रेन में टीटीई से बचकर भागना अब मुश्किल, वॉकी-टॉकी से पकड़े जाएंगे बिना टिकट यात्री

रायपुर (आरएनएस)। ट्रेन में बिना टिकट लिए सफर करने वाले यदि टीटीई को देखकर दूसरे दरवाजे से भागने की कोशिक करेंगे, तो अब टीटीई अपने साथी को उसका हुलिया तुरंत बता देंगे। इसके लिए 100 टीटीई स्टॉफ को वॉकी-टॉकी दिया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल ने यात्री सेवा को और बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है।

ट्रेनों के टिकट जांच कर्मचारियों, टीटीई को वॉकी-टॉकी दिया गया है। यह कदम यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और समन्वय को सुदृढ़ करने के लिए उठाया गया है। वॉकी-टॉकी उपकरणों की मदद से टीटीई आपातकालीन स्थिति में तुरंत संपर्क कर सकेंगे, जिससे त्वरित सहायता और बेहतर समन्वय सुनिश्चित होगा। इससे आरएसी और वेटिंग टिकट क्लीयर करने में भी मदद मिलेगी। अन्य कोच में बिठाए गए यात्रियों को उनकी आरक्षित सीटों पर बिठाने में सुविधा होगी।

यात्री सेवा तथा सुविधा को और बेहतर बनाने, आपसी समन्वय के साथ सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से अभिनव पहल के तहत ट्रेनों के टीटीई, कर्मचारियों को वॉकी-टॉकी उपकरण प्रदान किए गए हैं। इस उपकरण की सहायता से भनवारटंक घाट सेक्शन व दघोरा-जामगा जैसे नेटवर्क विहीन सेक्शनों में आपातकालीन स्थिति में टीटीई कर्मचारी आपसी समन्वय स्थापित कर जरूरतमंद यात्रियों को बेहतर सहायता पहुंचा पा रहे हैं। इसके साथ ही ट्रेनों के अन्य कोच में कार्यरत सहयोगी टीटीई स्टाफ आपसी समन्वय स्थापित कर आरएसी, वेटिंग टिकट क्लीयर करने तथा अन्य कोच में बैठे यात्रियों को उनके आरक्षित कोच व सीट में बैठाने जैसी बेहतर सुविधाएं भी सुनिश्चित कर रहे हैं। स्टेशन में मौजूद स्पेशल टीम से सीधे संपर्क स्थापित कर जरूरतमंद यात्रियों को भी हरसंभव सहायता पहुंचाई जा रही।

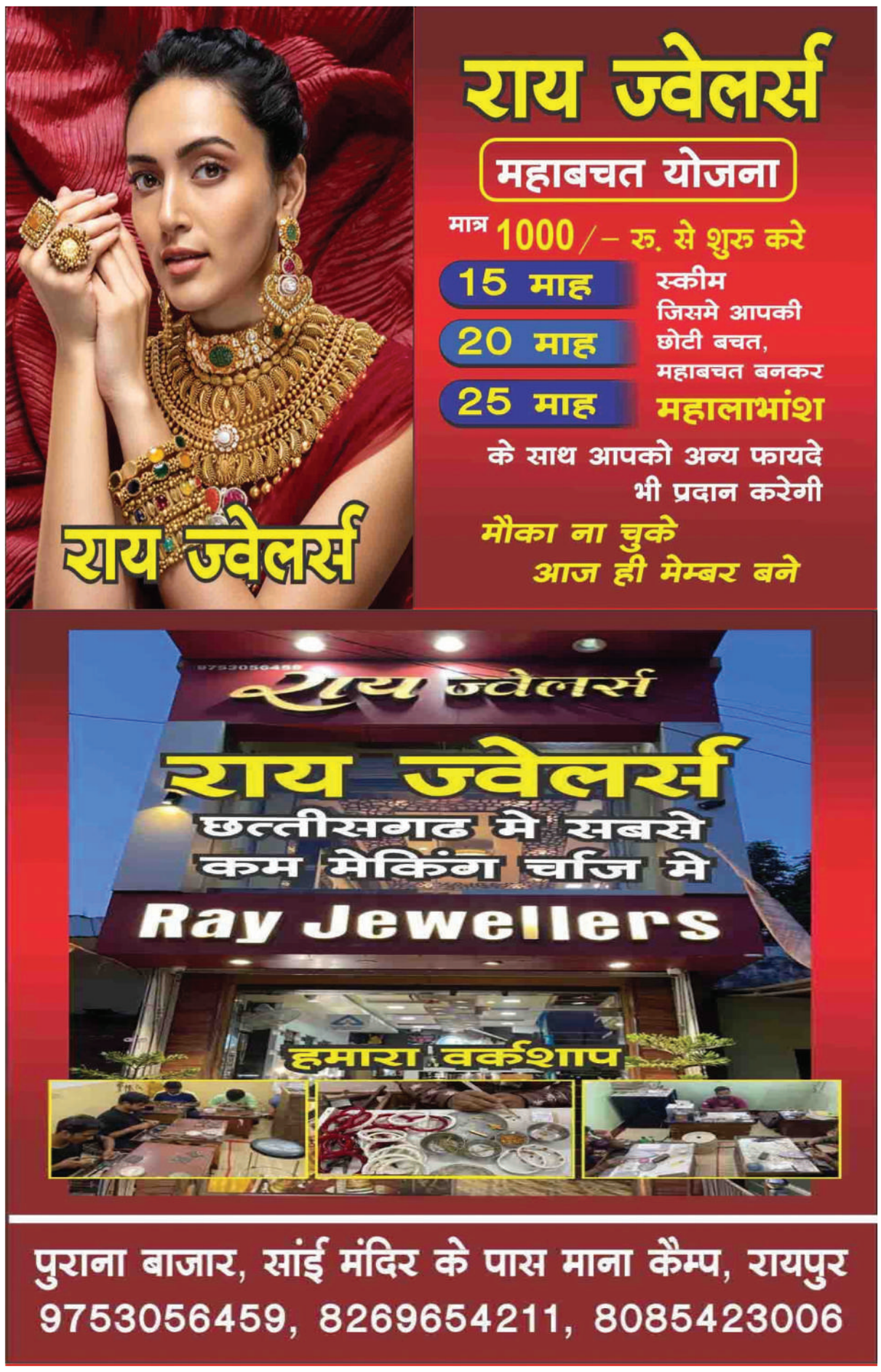

चोट एवं जलने के बाद घाव की प्लास्टिक सर्जरी
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न Food Licence
इन्कम TAX फाईल M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544